राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरूवार 09 अक्टूबर 2025 वर्ष-8,अंक-230 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली से चीन भेजी जा रही लाल चंदन की 10 टन सिल्लियां पकड़ीं

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्व जिले की एसटीएफ ने 10 टन लाल चंदन की लकड़ी जब्त कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के तार अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़े हैं। आरोपियों के कब्जे से जब्त की गई लकड़ियों की कीमत करीब छह करोड़ रुपये बताई जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार चंदन की ये लकड़ियां चीन व अन्य देशों में भेजी जानी थी। दक्षिण-पूर्व पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने एक प्रेस वार्ता में बताया कि चंदन की लकड़ी आंध्र प्रदेश के तिरुपति से तस्करी कर चीन और अन्य दक्षिण एशियाई देशों को भेजने के लिए लाई गई थी। बताया कि यह अभियान अगस्त में तिरुपति से

चुराई गई लाल चंदन की लकडियों के बारे में आंध्र प्रदेश पुलिस द्वारा साझा की गई खुफिया जानकारी के आधार पर शुरू किया गया था। डॉ. तिवारी ने बताया कि चोरी के संबंध में तिरुपति में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जांच के दौरान आंध्र प्रदेश पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए कुछ आरोपियों ने खुलासा किया कि चोरी की गई लकडियां दिल्ली ले जाई गई हैं। इस पर कार्रवाई करते हुए दिल्ली पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और आंध्र प्रदेश खुफिया इकाई की टीम ने सोमवार को तुगलकाबाद स्थित एक गोदाम पर छापा मारा।

जयपुर में जहां 200 सिलेंडर फटे, वहां केमिकल का रिसाव

पुलिस ने रेस्टोरेंट-ढाबे खाली कराए, एलपीजी ट्रक में घुस गया था टैंकर, जिंदा जला ड्राइवर

एजेंसी

जयपुर। 200 सिलेंडर में ब्लास्ट के बाद सुबह रेस्क्यू के दौरान टैंकर से केमिकल का रिसाव हो गया है। पुलिस ने इसके आसपास बैरिकेडिंग करके लोगों को हटा दिया है। आसपास के रेस्टोरेंट-ढाबे भी खाली कराए गए हैं। मंगलवार देर रात जयपुर-अजमेर हाईवे पर मोखमपुरा में एलपीजी सिलेंडर से भरे ट्रक को केमिकल टैंकर ने टक्कर मार दी थी। इससे आग लग गई और एक-एक करके 200 सिलेंडर फट गए। टैंकर का ड्राइवर रामराज मीणा (35) जिंदा जल गया। 5 लोग घायल हो गए। एलपीजी ट्रक के पास खड़ी 5 गाड़ियां भी जल गईं। हालांकि टैंकर में भरे केमिकल ने आग नहीं पकड़ी थी। सुबह जब इसे हटाया जा रहा था तभी इसमें से रिसाव शुरू हो गया। केमिकल कौन-सा है इसको लेकर अलग-अलग दावे किए गए है। वहीं, करीब 6 घंटे तक बंद रहे हाईवे को पुलिस ने सुबह 4.30 बजे खुलवाया। जानकारी के अनुसार केमिकल से भरा टैंकर गुजरात से जयपुर की ओर आ रहा था। महावीर ढाबे के नजदीक आरटीओ चेकिंग के डर से टैंकर ड्राइवर रामराज ने उसे ढाबे की तरफ मोड़ दिया। यहां पहले से खड़े एलपीजी ट्रक से टैंकर टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टैंकर के केबिन में आग लग गई थी। इसी चिनगारी से एलपीजी सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया। मंगलवार रात हुए हादसे के बाद पुलिस ने अजमेर और जयपुर की

तरफ से ट्रैफिक को डायवर्ट कर दिया था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार रेस्क्यू ऑपरेशन के करीब 6 घंटे बाद बुधवार सुबह 4 बजे हाईवे फिर से खोला गया। हालांकि सुबह 10 बजे तक भी हाईवे पर कई जगह जाम रहा। एक साल में दूसरी बार इस एरिया में हुए अग्निकांड को लेकर एनएचएआई पर फिर सवाल खड़े हो गए हैं। टैंकर से रिसाव के बाद फैल रहे केमिकल को जेसीबी से नाली बनाकर खाली जगह बहाया जा रहा है। फायर ब्रिगेड के अफसर यह रास्ता निकलवा रहे हैं। जिससे यह केमिकल से लोगों को परेशानी नहीं हो। जयपुर जिला कलेक्टर जितेंद्र सोनी ने बताया- टैंकर पर बेंजीन लिखा हुआ है, लेकिन हमने जांच कराई तो पता चला कि टैंक में एलएलपी केमिकल है। इस केमिकल को खाली करने के लिए पानीपत से टीम रवाना हो गई है। करीब 6 घंटे में जयपुर पहुंचेगी। इसके बाद मौके पर पहुंचने पर विशेषज्ञ बताएंगे कि टैंक को वह किस तरीके से खाली करना चाहते हैं। वह कहेंगे कि पूरा रास्ता ब्लॉक करना है तो हम रास्ता ब्लॉक कर देंगे। अगर वह वैसे ही खाली कर सकते हैं तो वैसे ही खाली कर देंगे। वहीं एफएसएल डायरेक्टर अजय शर्मा का कहना है कि टैंक पर बेंजीन लिखा हुआ है, इसलिए केमिकल भी बेंजीन होगा। हम हर पहलू को ध्यान में रखते हुए हमने यह पूरा एरिया खाली करने के लिए जिला प्रशासन से कह दिया है।

पीएम मोदी बोले: सेना मुंबई हमले का जवाब देने वाली थी

कांग्रेस बताए: 2008 में किसके दबाव में हमला करने से रोका था

एजेंसी

मुम्बई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को दो दिन के दौरे पर मुंबई पहुंचे। पीएम ने यहां नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले फेज का उद्घाटन किया। साथ ही 22 मिनट की स्पीच दी। इस दौरान उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर, जीएसटी रिफॉर्म और विकसित भारत पर बात की। साथ ही कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा। पीएम ने कहा कि 2008 में आर्तकियों ने मुंबई शहर को बड़े हमले के लिए चुना। तब की कांग्रेस सरकार ने कमजोरी का मैसेज दिया। आर्तकियों के सामने घुटने टेके। हाल ही में कांग्रेस के बड़े नेता और जो देश के गृहमंत्री तक रह चुके हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में दावा किया कि मुंबई हमले के बाद हमारी सेनाएं पाकिस्तान पर हमला करने के लिए तैयार थीं, लेकिन उस नेता की माने तो किसी दूसरे देश के दबाव के कारण कांग्रेस सरकार ने भारत की

> कांग्रेस को बताना होगा कि वह कौन था जिसने विदेशी दबाव में फैसला लिया? कांग्रेस ने देश की भावनाओं से खिलवाड़ किया है। देशवासियों की सुरक्षा से बढ़कर कुछ भी नहीं है। आज का भारत दमदार जवाब देता है।
>
>
>
> नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

सेनाओं को पाकिस्तान पर हमला करने से रोका। दरअसल, पीएम मोदी ने 30 सितंबर को मनमोहन सरकार में गृह मंत्री रहे पी चिदंबरम के बयान का जिक्र किया। चिदंबरम ने कहा था कि 26/11 के मुंबई आतंकी हमले के बाद उनके मन में भी बदला लेने का विचार आया था, लेकिन उस वक्त की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने सैन्य कार्रवाई नहीं करने का फैसला लिया। साथियों मुंबई भारत की आर्थिक राजधानी के साथ सबसे वाइब्रेंट शहरों में से एक है। 2008 में आर्तकियों ने भी मुंबई शहर को बड़े हमले के लिए चुना। तब की कांग्रेस सरकार ने कमजोरी का मैसेज दिया। आर्तकियों के सामने घुटने टेके। हाल ही में कांग्रेस के बड़े नेता और जो देश के गृह मंत्री तक रह चुके हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में दावा किया कि मुंबई हमले के बाद हमारी सेनाएं पाकिस्तान पर हमला करने के लिए तैयार थीं। पूरा देश भी यही चाहता था, लेकिन उस नेता की माने तो किसी दूसरे देश के दबाव के कारण कांग्रेस सरकार ने भारत की सेनाओं को पाकिस्तान पर हमला करने से रोका। गरीब हो मिडिल क्लास हो इनका सशक्तीकरण आज देश की प्राथमिकता है। इन परिवारों को सुविधा-सम्मान देना उनका सामर्थ्य बढ़ाता है। जीएसटी रिफॉर्म से जो चीजे सस्ती हुईं उससे भी देश का सामर्थ्य बढ़ा है। मार्केट के आंकड़े बताते हैं, इस बार नवरात्रि में बिक्री के कई साल के रिकॉर्ड टूटे। मेरा आग्रह है कि गर्व से कहो हम स्वदेशी है, स्वदेशी को अपनाएं। हर घर-बाजार का यही मंत्र होना चाहिए। यहां दूसरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट बना। ये एयरपोर्ट इस क्षेत्र को एशिया के सबसे बड़े कनेक्टिविटी हब के रूप में स्थापित करने में बड़ी भूमिका निभाएगा। आज मुंबई को पूरी तरह से अंडरग्राउंड मेट्रो मिली। इससे सफर आसान होगा। ये विकसित होते भारत का प्रतीक है।

राजौरी में सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन

राजौरी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में 7 अक्टूबर की रात आर्तकियों और जम्मू-कश्मीर पुलिस के स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (SOG) के बीच मुठभेड़ हुई थी। दोनों ओर से कई राउंड फायरिंग की गई थी। इसके बाद आतंकी जंगल की ओर भाग गए थे। बीरंथुब में हुए इस एनकाउंटर के बाद से जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना, सीआरपीएफ की जॉइंट टीमें यहां पर सर्च ऑपरेशन चला रही हैं। मंगलवार की पूरी रात चली सर्चिंग के बाद बुधवार सुबह भी सर्च ऑपरेशन जारी है। यहां 4 आर्तकियों के छिपे होने की खबर है। सुरक्षाबल राजौरी-कोटरणका-बुधाले सड़क से गुजरने वाले वाहनों की जांच कर रहे हैं। वहीं, आज सुबह से टेरर फंडिंग केस को लेकर स्टेट इंवेस्टिगेशन एजेंसी (SIA) श्रीनगर, गांदरबल, वडगाम, अनंतनाग, पुलवामा, शोपियां, कुलगाम, बारामूला, कुपवाड़ा, बांदीपुरा और गांदरबल में छापेमारी कर रही है।

आंध्र प्रदेश की पटाखा फैक्ट्री में आग, 6 की मौत

शव पूरी तरह झुलसे; पहचान पाना भी मुश्किल हुआ, कई घायल

एजेंसी

रायवरम। आंध्र प्रदेश के डॉ. बीआर अंबेडकर कोनासीमा जिले के रायवरम में बुधवार को एक पटाखा फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। बुरी तरह झुलस गए शवों की पहचान कर पाना मुश्किल हो रहा है। कई लोग घायल हैं। मृतकों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है। एसपी राहुल मीणा ने बताया कि हादसे में मारे गए लोगों के शव बुरी तरह झुलस गए हैं। मृतक पटाखा फैक्ट्री के मजदूर हो सकते हैं। शवों की पहचान की जा रही है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। पटाखा फैक्ट्री के पास मैन्युफैक्चरिंग का लाइसेंस था। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में पटाखा बनाने के दौरान शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका की खबरें हैं। घटना के कई वीडियो सामने आए हैं। एक वीडियो में पूरी फैक्ट्री आग की लपटों से घिरी दिखी। एक अन्य वीडियो में एक

व्यक्ति का शव पूरी तरह झुलसा दिख रहा है। वहीं, दूर से रिकॉर्ड किए एक वीडियो में फैक्ट्री से धुएं का गुबार काफी ऊंचाई तक उठता हुआ दिखा। इस दौरान कई धमाके भी हुए। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने अधिकारियों को घटनास्थल पर जाने के निर्देश दिए हैं। नायडू ने पर लिखा- इस दुर्घटना में कई लोगों की जान जाने की खबर से गहरा दुख हुआ है। मैंने अधिकारियों से दुर्घटना के कारणों, वर्तमान स्थिति, राहत कार्यों और चिकित्सा सहायता के बारे में बात की है।

जेल से छूटने के बाद अखिलेश-आजम की हुई पहली मुलाकात

रामपुर में सपा प्रमुख बोले- आजम परिवार पर भाजपा केस करके वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाना चाहती है

एजेंसी

रामपुर। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आजम खान के जेल से छूटने के बाद पहली बार मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच बंद कमरे में 2 घंटे तक बातचीत चली। इस दौरान आजम की पत्नी और बेटे भी मौजूद नहीं थे। बाहर निकलने पर अखिलेश ने कहा- आजम साहब बहुत पुराने नेता हैं। उनका गहरा साया हमेशा हमारे साथ रहा है। आजम खान हमारी पार्टी का दरख्त (पेड़) हैं। आजम परिवार पर भाजपा केस करके वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाना चाहती है। यह बड़ी लड़ाई है और उसमें हम सब मिलकर लड़ेंगे। इससे पहले, सपा प्रमुख को आजम ने खुद रिसीव किया। इसके बाद अखिलेश और आजम एक ही कार में बैठकर घर पहुंचे। अखिलेश बुधवार सुबह साढ़े 11 बजे लखनऊ से निजी विमान से रामपुर के लिए रवाना हुए। वह पहले बरेली एयरपोर्ट पर पहुंचे। यहां से हेलिकॉप्टर से दोपहर 12:45 बजे रामपुर की जौहर यूनिवर्सिटी में लैंड हुए। इधर, आजम की नाराजगी के चलते अखिलेश ने रामपुर से सांसद मोहिबुल्लाह नदवी को बरेली में ही छोड़ दिया। दरअसल, आजम ने मंगलवार को कहा था- मैं सिर्फ अखिलेश से मिलूंगा, किसी और से नहीं। मैं रामपुर सांसद से वाकिफ नहीं हूं। मेरी उनसे कभी मुलाकात नहीं हुई। 23 सितंबर को आजम खान जेल से रिहा हुए थे। उस समय अखिलेश उन्हें रिसीव करने नहीं पहुंचे थे। तब आजम ने कहा था- हम कोई बड़े नेता नहीं हैं। अगर बड़े नेता होते, तो बड़ा नेता लेने आता। बड़ा, बड़े को लेने आता है। अखिलेश यादव से मुलाकात के बाद आजम खान फिर से अपने पुराने अंदाज में दिखे। एक बातचीत में आजम ने कहा- खूबसूरते हाल तो आज भी वही है, चलिए किस गली में चलेंगे। अब तो हमारे लिए मोहब्बतों का जुनून समंदर बन चुका है। क्योंकि, हम हर कसौटी पर कसे जा चुके हैं। जब उनसे पूछा गया- इमरजेंसी और अब के वक्त में क्या अंतर हैं? तो उनका जवाब था- पहले आदमियत थी। अब हैवानियत भी नहीं है। शर्म आती है। आगे के प्लान के बारे में पूछने पर कहा- अभी यह तय करना है कि कौन अपना और कौन नहीं? मुझे उसके लिए कुछ वक्त चाहिए। अखिलेश से मुलाकात पर आजम ने कहा- उस परिवार से दो जिंदगियां जुड़ी हैं। मेरी पूरी जिंदगी वहीं गुजर गई। अब अगली नस्ल की जिंदगी भी वही जुड़ी है। रिश्तों की डोर इतनी मजबूत होनी ही चाहिए। जब आजम से पूछा गया कि अखिलेश रामपुर सांसद को लेकर आए, लेकिन बरेली में ही छोड़ दिया? हेलिकॉप्टर में जगह नहीं थी या दिल में? इस पर आजम ने कहा- न हेलिकॉप्टर की बात है और न दिल की। मेरे पास अखिलेश का कार्यक्रम आया था। प्रशासन किसी दूसरे को आने की इजाजत नहीं दे रहा था। इसमें मेरी कोई खता नहीं। किसी और का कार्यक्रम होता, तो सिर आंखों पर। वो बड़े इमाम हैं। इतने बड़े हैं कि रामपुर वालों के न जानते-पहचानते हुए भी एमपी (सांसद) हो गए।

जोधपुर जेल में वांगचुक से मिली पत्नी

एजेंसी

जोधपुर। सेंट्रल जेल में बंद सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक से मंगलवार रात पत्नी गीतांजलि अंगमो ने मुलाकात की। उनके साथ वकील रितम खरे भी थे। गीतांजलि ने अपने पति की रिहाई की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। जिस पर 14 अक्टूबर को सुनवाई होगी। गीतांजलि ने सोनम वांगचुक से मुलाकात के बाद बुधवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा- आज रितम खरे के साथ वांगचुक से मुलाकात की। डिटेंशन ऑर्डर हासिल किया, जिसे हम कानूनी रूप से चुनौती देंगे। इस डॉक्युमेंट में वांगचुक पर लगाए गए

सभी आरोपों और एनएसए लगाने के कारणों का उल्लेख है। अब कानूनी टीम इस आदेश को कोर्ट में चुनौती देने की तैयारी में जुट गई है। लद्दाख में 24 सितंबर को छठी अनुसूची का दर्जा और राज्य का दर्जा मांगने वाले विरोध-प्रदर्शन के दौरान भीषण हिंसा हुई थी, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी। 24 सितंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के तहत हिरासत में लिया गया था। पुलिस का आरोप था कि वांगचुक ने युवाओं को भड़काया और विवादित बयान दिए, जिससे कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ी। लेह से गिरफ्तारी के बाद वांगचुक को जोधपुर जेल में रखा गया है। गीतांजलि अंगमो ने 2 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर अपने पति की तत्काल रिहाई की मांग की थी। याचिका में कहा था- वांगचुक की गिरफ्तारी राजनीति से प्रेरित है और उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन किया गया है। उनकी ओर से सीनियर वकील कपिल सिब्बल ने दलील रखी थी। सिब्बल ने कहा था कि परिवार को हिरासत का कारण नहीं बताया गया है। पत्नी को मिलने की अनुमति भी नहीं दी गई।

दिवाली-छठ पर के लिए सूरत के रेलवे स्टेशन पर भीड़

एजेंसी

सूरत। रेलवे स्टेशनों पर दिवाली-छठ पूजा पर गांव जाने वालों की भीड़ उमड़नी शुरू हो गई है। गुजरात में सूरत के उधना स्टेशन पर मंगलवार को सुबह 5 बजे से लेकर रात 10 बजे तक 9 ट्रेनों से लगभग 14 हजार यात्री रवाना हुए। यह संख्या आरक्षित यात्रियों की है। इनमें जनरल के यात्रियों की संख्या जोड़ दे तो संख्या और बढ़ सकती है। ताप्ती गंगा ट्रेन से ही 4 हजार यात्री रवाना हुए सुबह 8.40 बजे उधना-दानापुर और 10.30 बजे ताप्ती गंगा ट्रेन से ही लगभग 4 हजार यात्री रवाना हुए। दिवाली-छठ पूजा के साथ इस बार बिहार के

विधानसभा चुनाव भी होने वाले हैं। इसकी वजह से सूरत और उधना स्टेशन पर रिकर्ड भीड़ होने की संभावना है। इसे देखते हुए रेलवे ने क्राउड मैनेजमेंट लागू कर दिया है। यात्रियों को कतारबद्ध चलने की ही अनुमति दी गई है। सिटी पुलिस प्लेटफॉर्म के बाहर लगातार पेट्रोलिंग करेगी। इस बार प्लेटफॉर्म की यात्रियों की होल्डिंग क्षमता भी बढ़ाई गई है। पुलिस टीम ने रेलवे अधिकारियों, जीआरपी और आरपीएफ के साथ बैठक कर भीड़ प्रबंधन की रणनीति बनाई है।

ब्रिटिश पीएम स्टार्मर ने रानी मुखर्जी के साथ फिल्म देखी

यशराज स्टूडियो का दौरा किया, आज 100 मेंबर का डेलिगेशन लेकर मुंबई पहुंचे

एजेंसी

मुम्बई। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने बुधवार को मुंबई में बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी के साथ फिल्म देखी। उन्होंने यशराज स्टूडियो का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने सीईओ अक्षय विधानी से भी मुलाकात की। उन्होंने कौन सी फिल्म देखी इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। स्टार्मर आज ही मुंबई पहुंचे हैं। 2024 में प्रधानमंत्री बनने के बाद यह उनका पहला भारत दौरा है। उनके साथ व्यापार, संस्कृति और दूसरे क्षेत्रों के 100 से अधिक लोगों का एक डेलिगेशन भी आया है, जिसमें आईटी, ऑटो-मोबाइल सहित कई क्षेत्रों के कारोबारी भी शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, स्टार्मर आज कूपरेज ग्राउंड में एक फुटबॉल कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं। इसके अलावा शाम में विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी मुलाकात कर सकते हैं। यशराज फिल्म्स (YRF) ने आज यह पुष्टि की है कि वह अपनी तीन बड़ी फिल्मों की शूटिंग 2026 की शुरूआत से यूनाइटेड किंगडम (UK) में करेगी। ब्रिटिश पीएम ने कहा कि इस कदम से ब्रिटेन में 3,000 से अधिक नौकरियां पैदा होंगी। प्रधानमंत्री स्टार्मर ने कहा, बॉलीवुड

ब्रिटेन में वापसी कर रहा है। यह पार्टनरशिप भारत-ब्रिटेन ट्रेड डील के असली मकसद को पूरा करती है। यशराज फिल्म्स के सीईओ अक्षय विधानी ने कहा –यूके हमेशा हमारे लिए बेहद खास रहा है। हमारी सबसे बड़ी फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे (DDLJ) वहीं फिल्माई गई थीं। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर का हमारे स्टूडियो आना और इस साझेदारी पर हस्ताक्षर करना हमारे लिए सम्मान की बात है। स्टार्मर और पीएम मोदी के बीच कल मुंबई में एक कार्यक्रम में मुलाकात होगी और 'विजन 2030' के तहत साझेदारी के डेवलपमेंट पर चर्चा करेंगे। इसी साल जुलाई में भारत-ब्रिटेन के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) पर दस्तखत हुआ था। यह समझौता का मकसद आपसी व्यापार को 2030 तक दोगुना करके 120 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। FTA से भारतीय प्रोडक्ट्स जैसे- कपड़े, चमड़ा और एग्री प्रोडक्ट को ब्रिटेन में बेचना आसान हो जाएगा। अब स्टार्मर का दौरा दोनों देशों के बीच वाणिज्यिक संबंधों को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

समय के साथ बदल रहा है डाक विभाग

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

(9 अक्तूबर विश्व डाक दिवस पर विशेष)

पूरी दुनिया में 9 अक्तूबर को विश्व डाक दिवस के रूप में मनाया जाता है। वर्ष 1874 में इसी दिन यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन का गठन करने के लिए स्विट्जरलैंड की राजधानी बर्न में 22 देशों ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किया था। 1969 में जापान के टाकियो शहर में आयोजित सम्मेलन में विश्व डाक दिवस के रूप में इसी दिन को चयन किये जाने की घोषणा की गयी थी। एक जुलाई 1876 को भारत यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन का सदस्य बनने वाला भारत पहला एशियाई देश था। जनसंख्या और अंतरराष्ट्रीय मेल ट्रैफिक के आधार पर भारत शुरू से ही प्रथम श्रेणी का सदस्य रहा है। भारत में डाकघर का इतिहास ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के समय से शुरू होता है जब रॉबर्ट क्लाइव ने 1766 में पहली डाक व्यवस्था स्थापित की। वॉरेन हेस्टिंग्स ने 1774 में कोलकाता में पहला डाकघर खोला और 1854 में लॉर्ड डलहौजी ने भारत में एक राष्ट्रीय डाक सेवा की शुरुआत की। आज भारतीय डाक दुनिया के सबसे बड़े डाक नेटवर्क में से एक है जो बैंकिंग, बीमा और अन्य सेवाओं के साथ आम आदमी का भरोसेमंद साथी है। 1 अक्टूबर 1854 में भारतीय डाक विभाग की स्थापना के साथ ही भारत में पहली बार डाक टिकट भी जारी किया गया था।

विश्व डाक दिवस का मकसद देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में डाक क्षेत्र के योगदान के बारे में जागरुकता पैदा करना है। दुनिया भर में प्रत्येक वर्ष 150 से ज्यादा देशों में विविध तरीकों से विश्व डाक दिवस आयोजित किया जाता है। भारतीय डाक प्रणाली का जो उन्नत और परिष्कृत स्वरूप आज हमारे सामने है। वह लंबे सफर की देन है। अंग्रेजों ने डेढ़ सौ साल पहले अलग-अलग हिस्सों में अपने तरीके से चल रही डाक व्यवस्था को एक सूत्र में पिरोने की पहल की थी। उन्होने भारतीय डाक को एक नया रूप और रंग दिया। पर अंग्रेजों की डाक प्रणाली उनके सामरिक और व्यापारिक हितों पर ही केंद्रित थी।

हमारे देश में पहले डाक विभाग का इतना अधिक महत्व था कि फिल्मों तक में डाकिये पर कई मशहूर गाने फिल्माये गये हैं। मगर अब नजारा पूरी तरह से बदल चुका है। इंटरनेट के बढ़ते प्रभाव ने डाक विभाग के महत्व को बहुत कम कर दिया है। आज लोगों ने हाथों से चिट्ठियां लिखना छोड़ दिया है। अब ई-मेल, वाट्सएप व सोशल मीडिया, इंटरनेट के माध्यमों से मिनटो में लोगो में संदेशों का आदान प्रदान हो जाता है।

आज डाक में लोगों की चिट्ठियां तो गिनती की ही आती है। मनीआर्डर भी बन्द से ही हो गये हैं। मगर डाक से अन्य सरकारी विभागों से सम्बन्धित कागजात, बैंको व अन्य संस्थानो के प्रपत्र काफी संख्या में आने से डाक विभाग का महत्व फिर से एक बार बढ़ गया है। डाक विभाग कई दशकों तक देश के अंदर ही नहीं बल्कि एक देश से दूसरे देश तक सूचना पहुंचाने का सर्वाधिक विश्वसनीय, सुगम और सस्ता साधन रहा है। लेकिन इस क्षेत्र में निजी कम्पनियों के बढ़ते दबदबे और फिर सूचना तकनीक के नये माध्यमों के प्रसार के कारण डाक विभाग की भूमिका लगातार कम होती गयी है। वैसे इसकी प्रासंगिकता पूरी दुनिया में आज भी बरकरार है।

भारत में डाक विभाग के महत्व को मशहूर शायर निदा फाजली के शेर सीधा-साधा डाकिया जादू करे महान, एक ही थैले में भरे आंसू और मुस्कान से समझा जा सकता है। शायर निदा फाजली ने जब यह शेर लिखा था उस वक्त देश में संदेश पहुंचाने का डाक विभाग ही एकमात्र साधन था। डाकिये के थैले में से निकलने वाली चिट्ठी पढ़कर कोई खुश होता था तो कोई दुखी।

कुछ वर्ष पूर्व तक डाक विभाग हमारे जनजीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता था। गांव में जब डाकिया आता था तो बच्चे-बूढ़े सभी उसके साथ डाक घर की तरफ इस उत्सुकता से चल पड़ते थे कि उनके भी किसी परिजन की चिट्ठी आयेगी। डाकिया जब नाम लेकर एक-एक चिट्ठी बांटना शुरू करता तो सभी लोग अपनी या अपने पड़ौसी की चिट्ठी ले लेते व उसके घर जाकर उस चिट्ठी को बड़े चाव से देते थे। उस वक्त शिक्षा का प्रसार ना होने से अक्सर महिलायें अनपढ़ होती थी। इसलिये चिट्ठी लाने वालो से ही चिट्ठियां पढ़वाती भी थी और लिखवाती भी थी। कई बार चिट्ठी पढने-लिखने वाले बच्चों को ईनाम स्वरूप कुछ पैसा या खाने को गुड़, पताशे भी मिल जाया करते थे। इसी लालच में बच्चे ज्यादा से ज्यादा घरों में चिट्ठियां पहुंचाने का प्रयास करते थे।

उस वक्त गांवो में बैंक शाखा भी नहीं होती थी। इस कारण बाहर कमाने गये लोग अपने घर पैसा भी डाक में मनीआर्डर के द्वारा ही भेजते थे। मनीआर्डर देने डाकिया स्वयं प्राप्तकर्ता के घर जाता था व भुगतान के वक्त एक गवाह के भी हस्ताक्षर करवाता था। डाक विभाग अति आवश्यक संदेश को तार के माध्यम से भेजता था। तार की दर अधिक होने से उसमें संक्षिप्त व जरूरी बाते ही लिखी जाती थी। तार भी साधारण जरूरी होते थे। जरूरी तार की दर सामान्य से दुगुनी होती थी। देश में पहली बार 11 फरवरी 1855 को शुरू हुई तार सेवा को सरकार ने 15 जुलाई 2013 से बन्द कर दिया है। इसके साथ ही डाक विभाग ने रजिस्टर्ड डाक सेवा को भी एक अक्तूबर 2025 से स्पीड पोस्ट में विलय कर दिया है।

भारतीय डाक विभाग पिनकोड नम्बर (पोस्टल इंडेक्स नम्बर) के आधार पर देश में डाक वितरण का कार्य करता है। पिनकोड नम्बर का प्रारम्भ 15 अगस्त 1972 को किया गया था। इसके अन्तर्गत डाक विभाग द्वारा देश को नो भौगोलिक क्षेत्रो में बांटा गया है। संख्या 1 से 8 तक भौगोलिक क्षेत्र हैं व संख्या 9 सेना की डाक सेवा को आवंटित किया गया है। पिन कोड की पहली संख्या क्षेत्र दूसरी संख्या उपक्षेत्र, तीसरी संख्या जिले को दर्शाती है। अन्तिम तीन संख्या उस जिले के विशिष्ट डाकघर को दर्शाती है।

डाक विभाग के अंतर्गत केंद्र सरकार ने इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक (आईपीपीबी) शुरू किया है। देश के हर व्यक्ति के पास बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाने के क्रम में यह एक बड़ा विकल्प होगा। इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक ने देश भर में बैंकिंग सेवाएं शुरू कर दी है। आने वाले दिनों में इस के माध्यम से देश का सबसे बड़ा बैंकिंग नेटवर्क अस्तित्व में आएगा। जिसकी हर गांव तक मौजूदगी होगी। इन सेवाओं के लिए

पोस्ट विभाग के 11000 कर्मचारी घर-घर जाकर लोगों को बैंकिंग सेवाएं देंगे।

बदलते हुए तकनीकी दौर में दुनिया भर की डाक व्यवस्थाओं ने मौजूदा सेवाओं में सुधार करते हुए खुद को नयी तकनीकी सेवाओं के साथ जोड़ा है। डाक, पार्सल, पत्रों को गंतव्य तक पहुंचाने के लिए एक्सप्रेस सेवाएं शुरू की हैं। डाक घरों द्वारा मुहैया करायी जानेवाली वित्तीय सेवाओं को भी आधुनिक तकनीक से जोड़ा गया है। दुनियाभर में इस समय 55 से भी ज्यादा विभिन्न प्रकार की पोस्टल ई-सेवाएं उपलब्ध हैं। भविष्य में पोस्टल ई-सेवाओं की संख्या और अधिक बढ़ायी जायेगी। डाक विभाग से 82 फीसदी वैश्विक आबादी को होम डिलीवरी का फायदा मिलता है।

भारत की आजादी के बाद हमारी डाक प्रणाली को आम आदमी की जरूरतों को केंद्र में रख कर विकसित करने का नया दौर शुरू हुआ था। नियोजित विकास प्रक्रिया ने ही भारतीय डाक को दुनिया की सबसे बड़ी और बेहतरीन डाक प्रणाली बनाया है। राष्ट्र निर्माण में भी डाक विभाग ने ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। जिससे इसकी उपयोगिता लगातार बनी हुई है। आज भी आम आदमी डाकघरों और डाकिये पर भरोसा करता है। तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद देश में आम जनता का इतना जन विश्वास कोई और संस्था नहीं अर्जित कर सकी है। यह स्थिति कुछ सालों में नहीं बनी है। इसके पीछे डाक विभाग के कार्मिको का बरसों का श्रम और लगातार प्रदान की जा रही सेवा छिपी है।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

संपादकीय

बिहार में चुनावी बहार

आखिरकार, चुनाव आयोग द्वारा बिहार विधानसभा के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। दो दशक में पहली बार इतनी कम अवधि तथा दो चरणों में मतदान छह व ग्यारह नवंबर को होगा और मतगणना चौदह नवंबर को होगी। विवादों के केंद्र में रही चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर पर विपक्ष की राजनीति राजग गठबंधन को चुनौती देगी। एक घटक, जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। जो पलायन व भ्रष्टाचार के मुद्दे को पार्टी का लक्ष्य बता रहे हैं। बहरहाल, लोकसभा चुनाव सात चरण में कराने के खट्टे अनुभवों से सबक लेकर चुनाव आयोग ने विपक्षी दलों की मांग पर विधानसभा चुनाव दो चरणों में समेटने का निर्णय लिया है। लेकिन यह तय है कि जिस तरह आनन-फानन में पर्याप्त तैयारियों की कमी के बीच एसआईआर को अंजाम दिया गया, उसको लेकर तमाम तरह के सवाल उभरते ही रहेंगे। यहां तक कि मामले में बार-बार शीर्ष अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ा। अभी आयोग को उन लोगों की शिकायत का सामना करना पड़ेगा, जो वोटर लिस्ट में अपना नाम नहीं देख पा रहे हैं। बहरहाल, एक बात तो तय है कि दो दशक से बिहार की राजनीति के केंद्र में बने हुए नीतीश कुमार को सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि राजग नेतृत्व को उम्मीद है कि हाल के दिनों में कराए गए विकास कार्य तथा लोकलुभावनी योजनाओं की बरसात से वोटों की फसल सींची जा सकेगी। ये आने वाला वक्त बताएगा कि बिहार का जनमानस नीतीश को फिर से गद्दी सौंपता है या फिर उत्साहित महागठबंधन को सत्ता में आने का मौका देता है। कांग्रेस व राजद का कई मतभेदों के बावजूद एकजुट रहना सुशासन बाबू के लिये मुश्किलें जरूर पैदा कर सकता है। इन चुनावों में मोदी-शाह की प्रतिष्ठा का भी मूल्यांकन होगा। नीतीश कुमार की प्रतिष्ठा भी इन चुनावों में दांव पर लगी है कि क्या वे दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले पाएंगे। बहरहाल, इस बार सुशासन बाबू की प्रतिष्ठा भी दांव पर है, जब विपक्ष ने भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था के सवाल को बड़ा मसला बना दिया है। जिस मुद्दे पर नीतीश अब तक राजद सरकार को जंगल राज बताकर घेरते रहे हैं, वही अस्त्र अब महागठबंधन की ओर से चलाया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर विपक्ष एसआईआर विवादों के आलोक में मतदाताओं में असमंजस की बात कह रहा है। उसकी दलील है कि अब जब चुनाव में कुछ ही हफ्ते बाकी हैं विशेष गहन पुनरीक्षण अभी भी न्यायिक जांच के दायरे में है। दरअसल, शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से अंतिम मतदाता सूची से बाहर किए गए 3.66 लाख मतदाताओं का विवरण उपलब्ध कराने को कहा है। दरअसल, 24 जून को चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर अभियान शुरू करने के बाद मतदाताओं की संख्या में खासा फेरबदल होता रहा है। अभियान शुरू करते वक्त बिहार में मतदाताओं की संख्या 7.9 करोड़ थी, फिर एक अगस्त को जारी मसौदा सूची में यह संख्या घटकर 7.24 करोड़ रह गई। मृत्यु,प्रवास और दोहराव सहित विभिन्न आधारों पर 65 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए थे। अब अंतिम सूची में 7.42 करोड़ मतदाता हैं। मसौदा सूची में 21.53 लाख नाम जोड़े गए हैं और कुल 3.66 लाख नाम हटा दिए गए हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने राजनीतिक दलों और अन्य हितधारकों की दुविधा दूर करने के लिये चुनाव आयोग से कुछ सवालों का जवाब तुरंत देने को कहा है। निस्संदेह, न्यायालय के हस्तक्षेप के कारण, एसआईआर में कुछ हद तक पारदर्शिता देखी गई है।

किसानों के चेहरों पर मोहन ने भावांतर योजना से लौटाई मुस्कान

(लेखक- हर्षवर्धन पान्डे)

सोयाबीन मध्यप्रदेश के किसानों की आजीविका का प्रमुख आधार है। यहां बाजार मूल्यों की अस्थिरता किसानों के लिए हमेशा एक बड़ी चुनौती रही है। ऐसे में मध्यप्रदेश की डॉ. मोहन सरकार ने किसानों को भावांतर योजना के माध्यम से बड़ी राहत प्रदान की है जो न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और बाजार मूल्य के अंतर की भरपाई करेगी। यह योजना किसानों को बाजार जोखिम से बचाने का एक प्रभावी उपकरण साबित होगी। हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने सोयाबीन उत्पादकों के लिए इस योजना को पुनः लागू करने की घोषणा की है जो मध्यप्रदेश के सोयाबीन उत्पादक किसानों के लिए एक बड़ी राहत का संकेत है। 2025 में सोयाबीन की कीमतों में गिरावट के बीच मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने भावंतर योजना की घोषणा करके किसानों के हित में एक बड़ा मास्टर स्ट्रोक खेला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इस बड़ी घोषणा से राज्य के 50 लाख हेक्टेयर सोयाबीन क्षेत्र और 25 लाख से अधिक छोटे-मझोले किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान के अंतर्गत अधिसूचित तिलहनी फसल के लिए भावांतर योजना वर्ष 2018-19 से लागू की गई है। भारत सरकार ने घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) तथा राज्य के मंडी के मॉडल भाव/विक्रय मूल्य अंतर की राशि कृषकों को दिलवाने का प्रावधान किया है। किसान पहले की तरह अपनी उपज मंडियों में बेचेंगे। एमएसपी और मंडी का मॉडल भाव/विक्रय मूल्य के बीच के अंतर की राशि का किसान को डीबीटी से भुगतान किया जायेगा। इसके लिए किसान द्वारा ई-पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य होगा। उदाहरण के लिए किसान का उत्पादन मॉडल भाव 4600 रूपए पर हुआ है तो समर्थन मूल्य 5328 में से शेष अर्थात भावांतर राशि 628 रूपए प्रति क्विंटल राज्य सरकार द्वारा प्रदान किए जाएंगे।

किसान को समर्थन मूल्य बराबर ही राशि प्राप्त होगी। यदि किसान की उपज का विक्रय मूल्य एमएसपी से कम है परंतु राज्य के औसत मॉडल प्राइज के समतुल्य है ऐसी स्थिति में भी किसान को एमएसपी और बिक्री मूल्य के भावांतर की राशि प्रदान की जाएगी। तीसरी स्थिति में कृषि उपज का विक्रय मूल्य राज्य के औसत मॉडल प्राइस से कम होने की दिशा में किसान को एमएसपी और घोषित औसत मॉडल प्राइस के भावांतर की राशि प्रदान की जाएगी। प्रत्येक स्थिति में किसान का लाभ सुनिश्चित किया जाएगा। मध्यप्रदेश में सोयाबीन किसानों के लिए भावांतर योजना के लिए पंजीकरण शुरू हो चुका है। मोहन सरकार के इस निर्णय से सोयाबीन उत्पादक के किसानों के चेहरे खिले नजर आ रहे हैं। योजना के तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य और बाजार भाव के बीच के अंतर की राशि सरकार देगी। पंजीयन के बाद भावांतर योजना में सोयाबीन का विक्रय किया जा सकेगा। राशि फसल विक्रय के 15 दिवस के अंतर किसानों के खाते में डीबीटी के माध्यम से दी जाएगी। भावांतर योजना के लिए निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मध्यप्रदेश में ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन का कार्य 3 अक्टूबर से शुरू होकर 17 अक्टूबर 2025 तक चलेगा। पंजीयन के बाद भावांतर योजना में सोयाबीन का विक्रय 24 अक्टूबर से 15 जनवरी 2026 तक किया जा सकेगा। पंजीकृत कृषक और उनके रकबे के सत्यापन की प्रक्रिया राजस्व विभाग के माध्यम से पूर्ण होगी। किसानों के भावांतर की राशि फसल विक्रय के 15 दिवस के भीतर उनके बैंक खाते में सीधे हस्तांतरित की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसान मंडियों में पहले की तरह ही सोयाबीन का विक्रय करेंगे। यदि फसल एमएसपी से कम भाव पर बिकती है तो सरकार अंतर की राशि सीधे किसानों के खातों में जमा करेगी। इसके लिए किसानों को योजना में पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। यदि मंडी में सोयाबीन का भाव एमएसपी से कम लेकिन राज्य सरकार के घोषित औसत मॉडल भाव से अधिक है तो एमएसपी और वास्तविक बिक्री मूल्य का अंतर सरकार देगी। यदि मंडी भाव औसत मॉडल भाव से भी कम है तो एमएसपी और मॉडल भाव का अंतर किसानों को मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कलेक्टरों को निर्देश देते हुए कहा है कि योजना को पारदर्शी ढंग से लागू किया जाए और किसानों तक पूरी जानकारी पहुंचाई जाए।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव सरकार ने किसानों की समग्र कल्याण के लिए कई कदम उठाए हैं। हाल ही में दशहरा के अवसर पर 8.84 लाख किसानों के खातों में 653.34 करोड़ रुपये की राहत राशि ट्रांसफर की गई जो अतिवृष्टि, बाढ़, कीट व्याधि और सोयाबीन में पीला मोजेक रोग से प्रभावित फसलों के लिए थी। इस बार प्रदेश के 13 जिलों के 4.94 लाख किसानों को पहली बार इस रोग के लिए विशेष सहायता मिली।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की हितैषी सरकार है। किसानों के हित के लिए सरकार के पास राशि की कोई कमी नहीं है। किसान-कल्याण मोहन सरकार की पहली प्राथमिकता है। किसानों के लिए राज्य सरकार अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। जिस तरह धान और गेहूं पर किसानों को उनके परिश्रम की कीमत दिलवाने का कार्य किया गया उसी तरह प्रदेश के सोयाबीन उत्पादक किसानों को भी लाभ सरकार द्वारा दिलाया जा रहा है। मध्यप्रदेश सरकार किसानों को उनके उत्पादन का मूल्य दिलवाने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध नजर आती है।मध्यप्रदेश की भावांतर योजना किसानों को बाजार की अनिश्चितताओं से बचाने का मोहन सरकार का एक बहुत ही साहसिक प्रयास है। इस योजना के माध्यम से सोयाबीन पर केंद्रित लाखों किसानों को एक तरफ जहाँ बड़ी आर्थिक सुरक्षा मिलेगी वहीं इससे राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। सोयाबीन उत्पादक किसानों को उनकी उपज का वाजिब दाम मिले इसके लिए भावांतर योजना के प्रति किसानों में उत्साह देखा जा रहा है। किसानों को अब किसी प्रकार का कोई नुकसान सरकार द्वारा नहीं होने दिया जायेगा। केंद्र सरकार द्वारा सोयाबीन का न्यूनतम समर्थन मूल्य रु 5328 प्रति क्विंटल तय किया गया है लेकिन बाजार में कई बार किसानों को इससे कम कीमत पर अपनी फसल बेचनी पड़ रही थी। ऐसे में मोहन सरकार की यह भावांतर योजना सोयाबीन किसानों को निश्चित तौर पर बड़ी राहत देने का काम करेगी।

जीवन : परमात्मा का अनमोल उपहार

जीवन परमात्मा का अनमोल उपहार है। यह स्वयं ही इतना दिव्य, पवित्र और परिपूर्ण है कि संसार का कोई भी अभाव इसकी पूर्णता को खंडित करने में असमर्थ है। आवश्यकता यह है कि हम अपने मन की गहराई से अध्ययन कर उसे उत्कृष्टता की दिशा में उन्मुख करें। ईर्ष्या, द्वेष, लोभ एवं अहम के दोषों से मन को विकृत करने के बजाए अपनी जीवनशैली को बदल कर सेवा, सहकार, सौहार्द जैसे गुणों के सहारे मानसिक रोगों से बचा जा सकता है और मानसिक क्षमताओं को विकसित किया जा सकता है। इसीलिए कहा जाता है कि मनुष्य जीवन चार तरह की विशेषताएं लिए रहता है।

इस संबंध में एक श्लोक प्रस्तुत है -

बुद्धैय फलं तत्व विचारणंच/देहस्य सारं व्रतधारणं च/वित्तस्य सारं स्किलपात्र दानं/वाचः फलं प्रतिकरनाराणाम।

अर्थात्- बुद्धि का फल तभी सार्थक होगा, जब उसको पूर्ण विचार करके उस पर अमल करें। शरीर का सार सभी व्रतों को धारण करने से है।

धन तभी सार्थक होगा, जब वह सुपात्र को दान के रूप में मिले और बात या वचन उसी से करें, जब व्यक्ति उस पर अमल करें। इसी का बेहतर तालमेल जीवन में बिठाना होता है। जो बिठा लेता है, वह भवसागर से पार हो जाता है और जो नहीं बिठा पाता वह दुख में पड़ा गोता खाता रहता है। आप जब तक इस गहराई को नहीं समझेंगे, अपने मकसद में

कामयाब नहीं हो सकते हैं। जानना यह भी जरूरी है कि हम अपनी हर धड़कन की रफ्तार को समझें।

विचार मंथन

सुप्रीम कोर्ट में दिखाया जूता?

(लेखक - सनत जैन)

देश की सर्वोच्च न्यायिक संस्था सुप्रीम कोर्ट में हाल ही में हुई एक अप्रत्याशित घटना ने देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बी.आर. गवई के समक्ष पेश एक वकील, डॉ. राकेश किशोर ने विष्णु भगवान को लेकर गवई द्वारा की गई टिप्पणी के विरोध स्वरूप जूता दिखाया। इस घटना के बाद आरोपी के जो इंटरव्यू सामने आ रहे हैं उसमें वह कह रहा है, कि उसने परमात्मा के आदेश से यह सब किया है। वह किसी किस्म के नशे में नहीं था। सनातनियों का जो विरोध चीफ जस्टिस द्वारा किया जा रहा था, उससे वह नाराज था और यह सब उसने परमात्मा के कहने से किया है। इस बयान की देश में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। इस घटना के बाद से देश मे गहन बहस छिड़ गई है। क्या असहमति जताने का यह तरीका उचित है। वह भी एक वकील का जिसे मालूम है, यदि कोई ऐसी बात हुई है जो कानून के खिलाफ है तो उसके लिए वह अदालत में ही जाकर अपनी लड़ाई लड़ सकता है, लेकिन यह वकील बिना पढ़े-लिखे गवारों जैसा यदि व्यवहार करता है ऐसी स्थिति में इसे माफ तो नहीं किया जा सकता है। वकील राकेश किशोर को अपने किये का पश्चाताप भी नहीं है। वह इसको परमात्मा के नाम पर जायज ठहरा रहा है। इस आरोपी वकील के खिलाफ दिल्ली पुलिस में कई शिकायतें की गई हैं। कतिपय संरक्षण होने के बाद इस पर कार्यवाही नहीं हुई। धर्म के नाम पर इसी तरह के आतंक फैलाने का आरोप है। इस घटना के बाद दलित संगठन भी विरोध में जगह-जगह आंदोलन कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी ने भी जूते की माला लेकर उसके आवास पर प्रदर्शन किया। वकील राकेश किशोर का तर्क है, यह कोई व्यक्तिगत विरोध नहीं था। यह एक 'दैवीय आदेश' का पालन था। उसने दावा किया कि परमात्मा ने उनसे यह कदम उठवाया है, वह स्वयं 'साक्षी' थे। उसका कहना है, चीफ जस्टिस के कुछ कथनों से उसे गहरी पीड़ा हुई, विशेषकर तब जब एक धार्मिक प्रतिमा से जुड़े मामले में अदालत ने याचिकाकर्ता का उपहास उडाया। साथ ही सीजेआई द्वारा मॉरीशस दौरे के दौरान दिए गए 'देश बुलडोज़र से नहीं चलेगा' वाले बयान से वह व्यथित था। उसका मानना है कि मुख्य न्यायाधीश 'राज्य के अधिकारों में हस्तक्षेप' कर रहे हैं। सवाल यह है, क्या किसी संवैधानिक संस्था में, विशेष रूप से सुप्रीम कोर्ट जैसी प्रतिष्ठित जगह पर, सुप्रीम कोर्ट के वकील का इस तरह का व्यवहार स्वीकार्य हो सकता है? अदालतें विचार-विमर्श का मंच हैं, अदालतें आक्रोश का मंच नहीं हैं। यदि किसी नागरिक या अधिवक्ता को न्यायपालिका के रुख से असहमति है, तो उसके पास अपील और पुनर्विचार के कानूनी अधिकार मौजूद हैं। लोकतंत्र में असहमति व्यक्त करने का अधिकार है। परंतु मर्यादा और संवैधानिक मर्यादा का पालन सभी के लिए अनिवार्य है। बार काउंसिल द्वारा डॉ. किशोर के निलंबन का निर्णय इस बात का संकेत है, पेशेवर आचार संहिता को गंभीरता से लिया जाएगा। वहीं डॉ. किशोर का यह कहना कि उन्हें बिना सुनवाई के दंडित किया गया है। जिस तरह से इस घटना के बाद वह मीडिया में इंटरव्यू दे रहे हैं। वह न्यायिक प्रक्रिया के साथ-साथ यह भी बता रहा है कि उन्हें इस घटना के बाद कोई पश्चाताप नहीं है। उन्हें यह भी फिक्र नहीं है कि उन पर कोई कार्रवाई हो सकती है। बार काउंसिल ने जो कार्रवाई आनन-फानन में की है। उसमें उसे पता है, जब मामला ठंडा हो जाएगा और वह अपना जवाब देगा तब उसके ऊपर से प्रतिबंध भी समाप्त हो जाएगा। यह आत्मविश्वास उसे कहां से मिल रहा है यह आसानी के साथ समझा जा सकता है।

इस पूरे प्रकरण ने एक गंभीर विमर्श को जन्म दिया है। कुछ समय पहले एक साक्षात्कार में पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा था कि उन्होंने राम मंदिर का फैसला परमात्मा से पूछ कर दिया था। क्या धार्मिक भावनाओं और परमात्मा की आड़ लेकर संवैधानिक अधिकारों और न्यायपालिका के अधिकारों को बाधित किए जाने का एक नया दौर शुरू हो गया है। सनातन की रक्षा के नाम पर न्यायालय और संविधान की गरिमा को ठेस पहुंचाना परमात्मा के नाम पर उचित माना जा सकता है? न्यायपालिका पर भरोसा और सम्मान लोकतंत्र की रीढ़ है। आलोचना जरूरी है। उसका स्वरूप विवेकपूर्ण और विधिसम्मत होना चाहिए। सच्चा मनुष्य धर्म वह है, जो संयम सिखाए। संविधान में दिए गए सभी नागरिकों के मौलिक अधिकार समान हैं। न्यायालय की जिम्मेदारी है कि वह सभी धर्म और सभी नागरिकों के साथ एक सा न्याय करे। सच्चा न्याय वही है, जो संविधान की सीमाओं में रहकर सबको समान रूप से मिले। सुप्रीम कोर्ट में जूता दिखाना, एक मानसिक बीमारी हो सकती है, 'दैवीय आदेश' नहीं हो सकता है। यह लोकतांत्रिक मर्यादा का उल्लंघन है। यह घटना इसलिए भी माफी योग्य नहीं है, कि इसे एक सीनियर वकील द्वारा सब कुछ जानते-बूझते अंजाम दिया गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूको बैंक अपने ग्राहकों को दे रहा एफडी पर आकर्षक ब्याज दर

मुंबई। अगर आप सुरक्षित निवेश के साथ अच्छा रिटर्न चाहते हैं, तब आपके लिए यूको बैंक की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) योजना बेहतरीन विकल्प हो सकती है। यूको बैंक अपने सभी ग्राहकों को एफडी पर आकर्षक ब्याज दरें दे रहा है, जो निवेशकों के लिए भरोसेमंद और फायदेमंद साबित हो सकती हैं। इस योजना में आप न्यूनतम 1 लाख रुपये जमा कर सकते हैं और तय अवधि के बाद अच्छा खासा ब्याज प्राप्त कर सकते हैं। यूको बैंक में एफडी की अवधि 7 दिनों से लेकर 10 साल तक हो सकती है, जिससे निवेशक अपनी जरूरत और सुविधा के अनुसार योजना चुन सकते हैं। सामान्य ग्राहकों को इस योजना में 2.90 प्रतिशत से लेकर 6.45 प्रतिशत तक की ब्याज दरें मिलती हैं, वहीं वरिष्ठ नागरिकों को खासतौर पर बेहतर रिटर्न के रूप में 6.95 प्रतिशत तक ब्याज दिया जा रहा है। खास बात यह है कि यूको बैंक अपने रिटायर्ड सीनियर सिटीजन स्टाफ को 444 दिनों की एफडी पर 7.95 प्रतिशत तक की ब्याज दर का लाभ प्रदान करता है, जो बाजार में उपलब्ध अधिकांश एफडी योजनाओं से बेहतर है। अगर आप सामान्य ग्राहक हैं और यूको बैंक में 3 साल के लिए 1 लाख की एफडी करते हैं, तब मैच्योरिटी पर आपको कुल 1,20,093 रुपये मिलने हैं, जिसमें 20,093 रुपये का फिक्स्ड ब्याज शामिल होगा। वहीं, वरिष्ठ नागरिक के रूप में इसी अवधि और राशि पर आपका रिटर्न थोड़ा और बेहतर होगा, करीब 1,21,879 रुपये, जिसमें 21,879 रुपये का ब्याज होगा। एफडी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें निवेश की गई राशि सुरक्षित रहती है और निश्चित समय के बाद आपको तय ब्याज सहित आपकी पूंजी वापस मिलती है। इससे निवेशकों को जोखिम की चिंता नहीं रहती और वे अपने पैसों को आराम से बढ़ा सकते हैं। यूको बैंक की यह योजना उन लोगों के लिए खासतौर पर उपयोगी है जो सुरक्षित निवेश के साथ स्थिर और भरोसेमंद रिटर्न की तलाश में हैं।

कर मुक्त बॉन्ड जारी करने से बॉन्ड बाजार में बढ़ सकती है खुदरा भागीदारी

बॉन्ड बाजार में खुदरा निवेश खास आयु वर्ग तक ही सीमित हो गया

नई दिल्ली। एनएसडीएल के प्रमुख संचालन अधिकारी प्रशांत वागल ने कहा है कि कर मुक्त बॉन्ड जारी करने से बॉन्ड बाजार में खुदरा भागीदारी बढ़ सकती है। भारत सरकार ने 2016 के बाद कोई नया कर मुक्त बॉन्ड जारी नहीं किया है। वागल ने 25वें ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में मंगलवार को कहा कि भारत में राष्ट्रीय बचत, लघु बचत, म्युचुअल फंड की इक्विटी लिंक्ड बचत और पेंशन योजनाएं हैं। अभी इक्विटी मार्केट में राजीव गांधी इक्विटी बचत योजना है। उन्होंने कहा कि कई साल पहले कर बचत बॉन्ड्स इस्तेमाल किए जाते थे, यह जब जारी होते थे तो लोग उन्हें खूब खरीदते थे। लिहाजा हम क्यों नहीं कर बचत योजना जैसा कुछ बनाएं। इसमें जहां कर बचत बॉन्ड पर ब्याज तो कर मुक्त हो, लेकिन निवेश पर नहींज हम शुरुआत से ही लोगों के इसे हाथों हाथ स्वीकारता देख सकते हैं क्योंकि हम खुदरा निवेशकों की भागीदारी चाहते हैं। वागल ने कहा कि बॉन्ड बाजार में खुदरा निवेश खास आयु वर्ग में सीमित हो गया है। इसमें 41 साल से ज्यादा आयु के लोग ज्यादा हैं और युवा आयु वर्ग का कम निवेश कर रहा है। उन्होंने बताया कि डीमैट के 15 लाख से 16 लाख खाते हैं और इसमें 41 साल से ज्यादा लोगों के 10 लाख से ज्यादा खाते हैं। लिहाजा बॉन्ड में निवेश करने वाली दो तिहाई आबादी वह है जो रिटायरमेंट की उम्र की तरफ बढ़ रहे हैं। इसीलिए बॉन्ड को पूंजी की सुरक्षा करने वाले रूप में माना जाता है और यह स्थिर आमदनी देता है। इसमें 41 से 60 साल की आयु के लोगों की संख्या पांच लाख है और इससे ज्यादा उम्र के लोगों की संख्या भी पांच लाख है। यह अनुपात है। हम ऐसे लोग चाहते हैं जो भारत की युवा आबादी हो, 30 साल से कम हो लेकिन यह मुश्किल से 2 लाख से 3 लाख हैं।

अब सिर्फओटीपी से नहीं होगी डिजिटल पेमेंट.....दूसरा सुरक्षा माध्यम भी अपनाना होगा

डिजिटल धोखाधड़ी और फ्रॉड रोकने 1 अप्रैल 2026 से लागू ये सिस्टम

नई दिल्ली। भारत में डिजिटल ट्रांजेक्शन में सुरक्षा को लेकर एक बड़ा बदलाव जल्द होगा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने घोषणा की है कि 1 अप्रैल 2026 से डिजिटल भुगतान और ऑनलाइन लेनदेन के लिए टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (2एफए) को अनिवार्य कर दिया जाएगा। इसका मतलब है कि अब सिर्फ मोबाइल पर मिलने वाले ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) के भरोसे डिजिटल ट्रांजेक्शन नहीं कर सकते हैं, बल्कि एक अतिरिक्त सुरक्षा परत भी जरूरी होगी। इस नए नियम के तहत, जब भी कोई ऑनलाइन ट्रांजेक्शन किया जाएगा, तब ओटीपी के साथ-साथ यूजर को कोई दूसरा सुरक्षा माध्यम भी अपनाना होगा। यह दूसरा तरीका हो सकता है पासवर्ड, बायोमैट्रिक पहचान जैसे अंगूठे का निशान या फेस आईडी स्कैन, या फिर ऑथेन्टीकेटर एप द्वारा जनरेट हुआ टोकन। ऑथेन्टीकेटर एप हर बार एक नया पासवर्ड प्रदान करेगा, जो कुछ ही मिनटों के बाद समाप्त होगा, जिससे सुरक्षा और भी कड़ी हो जाएगी। दरअसल डिजिटल धोखाधड़ी और फ्रॉड के बढ़ते मामलों को देखकर आरबीआई ने यह कदम उठाया है। जानकारों का मानना है कि एसएमसएस आधारित ओटीपी अकेला सुरक्षा उपाय अब पर्याप्त नहीं रह गया है, क्योंकि मोबाइल चोरी या सिम स्वैप जैसी घटनाओं के जरिए फ्रॉड हो सकते हैं। नई व्यवस्था से अगर आपका फोन चोरी भी हो जाए या सिम क्लोनिंग हो, तब भी कोई बिना आपकी सहमति के ट्रांजेक्शन नहीं कर सकेगा, क्योंकि दूसरे फैक्टर के बिना प्रक्रिया पूरी नहीं होगी। आरबीआई ने इस नई सुरक्षा व्यवस्था को डिजिटल लेनदेन को सुरक्षित, विश्वसनीय और उपयोगकर्ताओं के लिए भरोसेमंद बनाने के उद्देश्य से लागू किया है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया दो पैसे की बढ़त के साथ ही 88.76 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 88.78 पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के कारण भी स्थानीय मुद्रा दबाव में है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.72 पर थोड़ा मजबूत खुला लेकिन जल्द ही यह एक पैसे टूटकर 88.75 प्रति डॉलर पर आ गया। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.74 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने ने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी की बढ़त के साथ 97.86 पर आ गया।

भारत में वर्ष 2026 में औसत वेतन वृद्धि नौ प्रतिशत होने का अनुमान

रियल एस्टेट क्षेत्र में सबसे ज्यादा बढ़ोत्तरी

मुंबई। भारत में आने वाले साल वेतन वृद्धि नौ प्रतिशत तक रहने की संभावना है, जो इस साल हुई 8.9 प्रतिशत की औसत वृद्धि से थोड़ी ज्यादा है। एक सर्वेक्षण रिपोर्ट बताती है कि वैश्विक आर्थिक वृद्धि अनिश्चितताओं के बावजूद वेतन वृद्धि का यह रुझान मजबूत घरेलू खपत, निवेश और नीतिगत समर्थन के चलते बना रहेगा। सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2026 में औसत वेतन वृद्धि नौ प्रतिशत रहने का अनुमान है लेकिन उद्योगों के हिसाब से वृद्धि अलग-अलग हो सकती है। अगले साल रियल एस्टेट/ ढांचागत क्षेत्र में सबसे ज्यादा 10.9 प्रतिशत और गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियों (एनबीएफसी) में 10 प्रतिशत की वेतन बढ़ोतरी का अनुमान है। इसके साथ वाहन निर्माण में 9.6 प्रतिशत, इंजीनियरिंग डिजाइन सेवाओं में 9.7 प्रतिशत और खुदरा एवं जीवन-विज्ञान क्षेत्रों में 9.6 प्रतिशत की वेतन वृद्धि हो सकती है। सर्वे करने वाली फर्म के जानकार ने कहा, भारत की वृद्धि गाथा मजबूत बनी हुई है और उसे ढांचागत निवेश एवं नीतिगत उपायों का समर्थन है। रियल एस्टेट और एनबीएफसी जैसे क्षेत्रों में प्रतिभा में निवेश के साथ कंपनियां रणनीतिक दृष्टिकोण से वेतन प्रबंधन कर रही हैं ताकि स्थायी वृद्धि और कार्यबल की स्थिरता बनी रहे। सर्वेक्षण में सामने आया हैं कि नौकरी छोड़ने की कुल दर 2025 में 17.1 प्रतिशत तक घट गई, जबकि 2024 में 17.7 प्रतिशत और 2023 में 18.7 प्रतिशत थी। यह गिरावट संकेत देती है कि प्रतिभा का परिदृश्य अधिक स्थिर हो रहा है और कंपनियों को लक्षित कौशल विकास कार्यक्रमों में निवेश करने का मौका मिल रहा है।

शेयर बाजार हल्की गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 153 , निफ्टी 62 अंक गिरा

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की गिरावट पर बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिलेजुले संकेतों के साथ ही मुनाफावसूली हावी होने से ये गिरावट आई है। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 153.09 अंक टूटकर 81,773.66 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 62.15 अंक गिरकर 25,046.15 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी बिकवाली हावी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 422.65 अंक टूटकर 57,866.75 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 92.80 अंक नीचे आकर 17,890.60 पर रहा। ऑटो और रियल्टी इंडेक्स में सबसे ज्यादा बिकवाली हुई। निफ्टी ऑटो 1.53 फीसदी, निफ्टी रियल्टी 1.83 फीसदी, निफ्टी इन्फ्रा 0.63 फीसदी, निफ्टी मीडिया 1.72 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 1.08 फीसदी और निफ्टी एफएमसीजी 0.50 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। निफ्टी आईटी 1.51 फीसदी , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल 0.71 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स पैक में टाइटन, इन्फोसिस, टीसीएस, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस और टाटा स्टील के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि टाटा मोटर्स, एमएंडएम, बीईएल, अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट, सन फार्मा, पावर ग्रिड, एनटीपीसी और बजाज फिनसर्व के शेयरों को नुकसान हुआ। आज कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव रहा और इसी बीच मुनाफावसूली हावी होने से बाजार नीचे आने लगा। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स बढ़त के साथ ही 81,899.51 अंक पर खुला। सेंसेक्स में खुलने के साथ ही तेजी नजर आयी। वहीं निफ्टी हल्की गिरावट के साथ 25,079.75 अंक पर खुला। इसके बाद इसमें बढ़त आने लगी गई और कुछ समय बाद ही यह 45.40 अंक की बढ़त के साथ ही 25,153.95 पर कारोबार कर रहा था। दूसरी ओर एशियाई बाजारों में शुरुआत में मिश्रित कारोबार हुआ। हांगकांग का इंडेक्स शुरुआती कारोबार में 0.89 फीसदी नीचे आया। वहीं जापान का निकेई 0.22 फीसदी ऊपर आया। वहीं चीन और दक्षिण कोरिया के बाजार छुट्टियों के कारण बंद रहे। अंतरराष्ट्रीय बाजारों की बात करें तो अमेरिकी वॉल स्ट्रीट में कमजोरी रही। न्यूयॉर्क फेडरल रिजर्व के सर्वे में उपभोक्ता उम्मीदों में गिरावट और मुद्रास्फीति में बढ़ोतरी रही। अमेरिका में शटडाउन जारी हैं जिससे भी बाजार पर दबाव आया है। डाउ जोंस 0.2 फीसदी, एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.38 फीसदी और नैस्डैक इंडेक्स 0.67 फीसदी गिरकर बंद हुआ।

इनकम टैक्स वेबसाइट में गलती से आधार, बैंक, पैन डिटेल्स लीक!

वेबसाइट पहचान नहीं पा रही थी कौन-सा यूजर किस डेटा को देखने का हकदार

नई दिल्ली।

भारत सरकार की इनकम टैक्स वेबसाइट में सुरक्षा गलती हुई। इस बग की वजह से लाखों टैक्सपेयर्स की निजी जानकारी जैसे आधार नंबर, बैंक अकाउंट डिटेल्स, मोबाइल नंबर और पता कुछ समय के लिए उजागर हो गया। इस गलती को दो साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने खोजा, जिन्होंने पाया कि वेबसाइट में लॉगिन करने के बाद, अगर कोई यूजर अपने पैन नंबर को बदलता है, तो वह दूसरे व्यक्ति की जानकारी भी देख सकता है यानी बिना किसी पासवर्ड या ओटीपी के किसी और का डेटा खुल सकता था।

खबर सामने आने के बाद सरकार और सीईआरटी-इन (साइबर सिक्योरिटी एजेंसी) को तुरंत इसकी जानकारी दी गई और उन्होंने 2 अक्टूबर को इस खामी को ठीक कर दिया। हालांकि अब सिस्टम सुरक्षित है, लेकिन यह घटना हमें याद दिलाती है कि छोटी-सी तकनीकी गलती भी बड़ी परेशानी बन सकती है। अब यह समझना जरूरी है कि यह गलती कैसे हुई और हमें क्या सावधानी रखनी चाहिए। इनकम टैक्स पोर्टल में एक सॉफ्टवेयर बग था। जब कोई व्यक्ति अपने अकाउंट में लॉगिन करता था, तो वेबसाइट यह चेक नहीं करती थी कि वह किसका डेटा देख रहा है। अगर कोई व्यक्ति अपनी पैन डिटेल बदलकर किसी दूसरे का पैन नंबर डाल देता था, तो सिस्टम बिना किसी रोक-टोक के उस व्यक्ति का सारा डेटा दिखा देता था।

रिपोर्ट के मुताबिक वेबसाइट यह पहचान ही नहीं पा रही थी कि कौन-सा यूजर किस डेटा को देखने का हकदार है। इसे 'आईडीओआर बग कहा जाता है यानी एक तकनीकी गलती जिसके कारण बिना अनुमति किसी और का डेटा दिखने लगता है। इस गलती को खोजने वाले विशेषज्ञों ने सरकार को तुरंत बताया और कुछ ही दिनों में यह दिक्कत ठीक कर दी गई।

यह गलती बेहद गंभीर थी, क्योंकि इनकम टैक्स पोर्टल पर करोड़ों लोगों का डेटा मौजूद है। इसमें सिर्फ आम टैक्सपेयर्स ही नहीं, बल्कि बड़ी कंपनियों और बिजनेस ओनर्स की जानकारी भी थी। अगर कोई हैकर या गलत इरादे वाला व्यक्ति गलती का फायदा उठाता है, तो वह लोगों की पहचान चोरी या बैंक फ्रॉड कर सकता था। हालांकि राहत की बात यह है कि किसी बड़े डेटा चोरी के सबूत नहीं मिले और सरकार ने इसे सुधार लिया।

अगर आप भी इनकम टैक्स वेबसाइट का इस्तेमाल करते हैं, तो घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन थोड़ी सावधानी रखना जरूरी है अपना पासवर्ड तुरंत बदलें। अगर लंबे समय से नहीं बदला है, तो नया मजबूत पासवर्ड रखें। आधार, पैन या बैंक डिटेल्स किसी को न भेजें। कोई कॉल या ईमेल पर मांगे तो नजरअंदाज करें।

सितंबर में आया एसयूवी की बिक्री में जबरदस्त उछाल

नईदिल्ली। बीते सितंबर महीने में फेस्टिव सीजन की शुरुआत और जीएसटी 2.0 रिफॉर्म्स के असर से एसयूवी की बिक्री में जबरदस्त उछाल देखने को मिला। सबसे आगे रही टाटा नेक्सन, जिसने सितंबर में 22,500 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की। टाटा, हुंडई और महिंद्रा की कारों ने बिक्री के नए कीर्तिमान बनाए। नेक्सन की सफलता का राज इसका पेट्रोल, डीजल और इलेक्ट्रिक जैसे मल्टी-पावरट्रेन विकल्प हैं। इसकी 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग और आधुनिक फीचर्स ने इसे ग्राहकों की पहली पसंद बना दिया। दूसरे स्थान पर रही महिंद्रा स्कॉर्पियो, जिसकी 18,372 यूनिट्स बिकीं। कंपनी की कुल बिक्री 1,00,298 यूनिट्स रही। स्कॉर्पियो का रफ-एंड-टफ डिजाइन, दमदार इंजन और भरोसेमंद परफॉर्मेंस इसे शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों में लोकप्रिय बनाते हैं। तीसरे नंबर पर हुंडई क्रेटा रही, जिसने 18,861 यूनिट्स की बिक्री की। हुंडई की कुल सितंबर बिक्री 70,347 यूनिट्स तक पहुंची।

वीवर्क की बोलियां पूरी, एलजी शुरुआत अच्छी सभी शेयरों के लिए मिले आवेदन

नई दिल्ली।

पूंजी बाजार में आईपीओ लाने की होड़ लगी है। इस हफ्ते करीब आधा दर्जन कंपनियों के आईपीओ बाजार में आ रहे हैं, जिससे 30,000 करोड़ से ज्यादा जुटाने की उम्मीद है। इनमें से तीन बड़े आईपीओ ने निवेशकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। वीवर्क इंडिया के आईपीओ को बुधवार को अंतिम दिन पूरी बोलियां मिलीं। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया की शुरुआत अच्छी रही और इस आईपीओ को पहले ही दिन बिक्री के लिए रखे गए सभी शेयरों के लिए आवेदन मिले। इस बीच टाटा कैपिटल के मेगा शेयर बिक्री को तीन-चौथाई आवेदन मिले।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक को-वर्किंग ऑफिस स्पेस प्रदाता वीवर्क के 3,000 करोड़ रुपए के आईपीओ को इसके कारोबारी ढांचे पर संशय के बीच केवल 1.2 गुना ही आवेदन मिले। संस्थागत निवेशक श्रेणी में वीवर्क के आईपीओ को 1.8 गुना आवेदन मिले जबकि अमीर निवेशक श्रेणी (एचएनआई) खंड और रिटेल में रखे शेयरों को पूरा अभिदान नहीं मिला। एचएनआई श्रेणी में 23 फीसदी और रिटेल में 61 फीसदी ही बोलियां लगीं। वीवर्क के प्रवर्तकों के खिलाफ आपराधिक मामले और कंपनी की लाभप्रदता को लेकर चिंता के बीच आईपीओ को लेकर निवेशकों की धारणा पर असर पड़ा है। प्रॉक्सी सलाहकार ने बताया कि वीवर्क को वित्त वर्ष 2025 में 128 करोड़ रुपए का कर बाद मुनाफा मिला था जो पूरी तरह से कर को समायोजित करने की वजह से है और यह आवर्ती आय को नहीं दर्शाता है।

इस बीच टाटा समूह की कंपनी टाटा कैपिटल के आईपीओ को बंद होने से एक दिन पहले 75 फीसदी आवेदन मिले। कंपनी ने अपने 15,512 करोड़ रुपए के आईपीओ का मूल्य दायरा 310 रुपए से 326 रुपए प्रति शेयर रखा। ऊपरी मूल्य सीमा पर टाटा कैपिटल का मूल्यांकन 1.38 लाख करोड़ रुपए होता है। यह घरेलू बाजार का चौथा सबसे बड़ा और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी का सबसे बड़ा आईपीओ है। टाटा कैपिटल आईपीओ में 6,846 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी करेगी और इससे मिलने वाली पूंजी का इस्तेमाल कंपनी अपने पूंजी आधार को बढ़ाने के लिए करेगी। इसके अलावा प्रवर्तक टाटा संस और इंटरनैशनल फाइनैंस कॉरपोरेशन 8,666 करोड़ रुपए के शेयर बेच रहे हैं।

विंडो-10 के सिक्योरिटी अपडेट्स हो रहे खत्म, 40 करोड़ यूजर्स पर पड़ेगा असर

समय रहते कर लें अपडेट वरना साइबर अटैक्स के हो सकते हैं शिकार

नई दिल्ली।

सॉफ्टवेयर कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के यूजर्स के सामने बड़ी परेशानी आ गई है और दुनियाभर में 40 करोड़ के करीब विंडो यूजर्स पर इसका असर पड़ेगा। दरअसल विंडो-10 के लिए सिक्योरिटी अपडेट्स खत्म होने वाले हैं और इसके बाद यूजर्स को कोई अपडेट नहीं दिया जाएगा। अगर आप भी इन यूजर्स में शामिल हैं तो आपको समय रहते कुछ करना होगा, वरना आप साइबर अटैक्स का शिकार हो सकते हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक आज भी दुनिया के 41 फीसदी कंप्यूटर विंडो-10 पर चल रहे हैं और सितंबर के आखिर में ये करीब 46 फीसदी थे। साफ है कि कुछ यूजर्स ने अपग्रेड जरूर किया है लेकिन अब केवल 10 दिन बचे हैं। एक बार डेडलाइन बीतने के बाद जो यूजर्स कंपनी के सपोर्ट प्लान का हिस्सा नहीं होंगे, उन्हें सिक्योरिटी अपडेट्स नहीं दिए जाएंगे। कंपनी ने उन विंडो-10 यूजर्स को एक्सटेंडेड सपोर्ट लेने का विकल्प दिया है, जो अपग्रेड नहीं कर पा रहे। इसके लिए यूजर्स को 30 डॉलर यानी करीब 2500 रुपए फीस का भुगतान करना होगा। वहीं कुछ यूजर्स को सही ऑप्शन चुनने पर फ्री एक्सटेंशन ऑफर दिया जा रहा है। हालांकि बड़ी दिक्कत ये है कि करीब 40 करोड़ डिवाइस विंडो-11 पर अपग्रेड नहीं हो सकते क्योंकि माइक्रोसॉफ्ट ने इसके लिए सख्त हार्डवेयर रिक्वायरमेंट्स तय किए हैं। पुराने कंप्यूटर इन रिक्वायरमेंट्स को पूरा नहीं करते, ऐसे में उन्हें अपग्रेड नहीं किया जा सकेगा।

पब्लिक इंट्रेस्ट रिसर्च ग्रुप (पीआईआरजी) नामक संस्था ने चेतावनी दी है कि यह स्थिति पहले कभी नहीं आई। जब विंडो-8 का सपोर्ट जनवरी 2016 में खत्म हुआ था, तब सिर्फ 3.7 फीसदी यूजर्स ही उसका इस्तेमाल कर रहे थे। विंडो 8.1 का सपोर्ट जनवरी 2023 में खत्म हुआ, तब यह आंकड़ा सिर्फ 2.2 फीसदी था, लेकिन आज विंडो-10 के 41 फीसदी यूजर्स अब भी सक्रिय हैं, जो एक चौंकाने वाला आंकड़ा है।

इसी तरह की चेतावनी कंज्यूमर रिपोर्ट और यूरो कंज्यूमर ने भी जारी की है। उनका कहना है कि माइक्रोसॉफ्ट ने विंडो-10 को खत्म करने की टाइमलाइन पहले से कहीं ज्यादा छोटी कर दी है, जबकि विंडो-11 को लॉन्च हुए अभी सिर्फ चार साल ही हुए हैं।

भारत में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स में से 97 प्रतिशत पर डार्क पैटर्न मिले

मुंबई।

भारत में संचालित 290 प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स में से 97 प्रतिशत पर डार्क पैटर्न मिले हैं, जो उपभोक्ताओं द्वारा रिपोर्ट किए गए और लोकल सर्कल्स द्वारा सत्यापित हैं। उपभोक्ता मामलों के केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि उनके विभाग को कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ शिकायतें मिली हैं, जिसमें कैश ऑन डिलीवरी पर अतिरिक्त शुल्क जैसी भ्रामक प्रथाओं का इस्तेमाल शामिल है।

केंद्रीय मंत्री जोशी की यह प्रतिक्रिया तब आई जब लोकल सर्कल्स ने मुद्दे पर अपनी तिमाही ऑडिट रिपोर्ट जारी की, जिसमें स्पष्ट हुआ हैं कि भारत में अधिकांश ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर उपभोक्ताओं द्वारा रिपोर्ट किए गए डार्क पैटर्न मिले हैं। सर्वेक्षण के अनुसार, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करने वाले 48 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने बताया कि उन्होंने अक्सर बेट एंड स्विच जैसी स्थिति का सामना किया है यानी जिस उत्पाद, सेवा या कीमत का विज्ञापन किया गया था, वह डिलीवरी के समय अलग निकली। वहीं, 75 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने बताया कि उन्होंने अक्सर ड्रिप प्राइसिंग का अनुभव किया यानी अंतिम चरण में बिना पहले बताए अतिरिक्त शुल्क जोड़ दिए गए।

इस सर्वे में कुल 11,626 लोगों ने उत्पाद या कीमत डिलीवरी के समय अलग होने के अनुभव के बारे में प्रतिक्रिया दी। इसमें से 41 प्रतिशत ने कहा कि कई बार ऐसा हुआ, 26 प्रतिशत ने बताया कि कम ही बार ऐसा हुआ, जबकि 19 प्रतिशत का कहना था कि उन्हें इसका अनुभव नहीं हुआ। 7 प्रतिशत ने कहा कि उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया और 7 प्रतिशत ने कहा कि बहुत बार उन्हें सामान या कीमत डिलीवरी के समय अलग मिली।

सर्वे में 17,558 लोगों ने ई-कॉमर्स एप या वेबसाइट पर अंतिम समय में अतिरिक्त शुल्क जोड़ने के अनुभव के बारे में प्रतिक्रिया दी। इसमें 67 प्रतिशत लोगों ने माना कि यह बहुत बार हुआ, 17 प्रतिशत ने बताया कि इसतरह के मामले कम ही आए, 8 प्रतिशत ने कहा कि कई बार ऐसा हुआ और 8 प्रतिशत का कहना था कि उन्हें इसका अनुभव नहीं हुआ।

स्मार्टफोन गैलेक्सी एम17 5जी जल्द होगा लॉन्च

नईदिल्ली ।

भारत में सैमसंग 10 अक्टूबर को अपना नया मिड-बजट स्मार्टफोन गैलेक्सी एम17 5जी लॉन्च करने जा रहा है। गैलेक्सी एम17 5जी का सबसे बड़ा आकर्षण इसका 50 एमपी ओआईएस पल कैमरा सेटअप है, जो तस्वीरों और वीडियोज़ को ब्लर और शेक-फ्री बनाता है। यह फोन खास तौर पर उन यूज़र्स के लिए डिज़ाइन किया गया है जो हर समय कनेक्टेड और एक्टिव रहते हैं। फोन का 7.5 एमएम अल्ट्रा-स्लिम डिज़ाइन इसे न केवल स्टाइलिश बनाता है, बल्कि हैंड में भी हल्का महसूस होता है। सैमसंग ने इस बार अपनी एम-सीरीज़ में पहली बार एआई इंटीग्रेशन जोड़ा है। इसमें दो खास फीचर्स सर्कल टू सर्च विथ गूगल और जेमिनी लाइव शामिल हैं। ये यूज़र्स को स्मार्ट और रियल-टाइम अनुभव देते हैं। सर्कल टू सर्च फीचर से स्क्रीन पर किसी भी ऑब्जेक्ट को सर्कल करते ही गूगल सर्च किया जा सकेगा, वहीं जेमिनी लाइव यूज़र्स को लाइव एआई चैटिंग की सुविधा देगा।

सैमसंग का यह नया फोन उन यूज़र्स के लिए खास साबित हो सकता है जो बेहतर कैमरा, स्मार्ट परफॉर्मेंस और प्रीमियम डिज़ाइन की तलाश में हैं वह भी एक किफायती दाम पर। फोन मूनलाइट सिल्वर और साफिरे ब्लैक जैसे दो आकर्षक रंगों में उपलब्ध होगा। इसमें 6.7-इंच सुपर अमोलेड डिस्प्ले, गोरिल्ला ग्लास विक्टस प्रोटेक्शन और आईपी54 रेटिंग दी गई है, जो इसे धूल और पानी के छींटों से सुरक्षित बनाती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महिला विश्व कप क्रिकेट में आज आमने-सामने होंगे भारत और दक्षिण अफ्रीका

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। महिला विश्वकप क्रिकेट में गुरुवार को भारतीय टीम का मुकाबला दक्षिण अफ्रीका से होगा। भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच में भी अपनी जीत का सिलसिला बनाये रखना रहेगा। भारतीय टीम ने अब तक श्रीलंका और पाकिस्तान को हराया है और वह अंकतालिका में दूसरे नंबर पर है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम अभी पहले नंबर पर है। भारतीय टीम अगर दक्षिण अफ्रीका को हरा देती है तो वह शीर्ष पर पहुंच जाएगी। भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर सहित शीर्ष क्रम की बल्लेबाज पहले दो मैचों में असफल रही हैं, ऐसे में अब उनका लक्ष्य इस मैच में अधिक से अधिक रन बनाना रहेगा। भारतीय टीम को इस मैच में हरमनप्रीत के अलावा स्मृति मंधाना से भी बड़े स्कोर की उम्मीद रहेगा। ये तीनों ही श्रीलंका और पाक के खिलाफ विफल रहीं थी। अब तक हरलीन देयोल, अमनजोत कौर , रिचा घोष और दीप्ति शर्मा ने अच्छा प्रदर्शन किया है और टीम को इनसे इस मैच में भी उसी प्रकार का प्रदर्शन करने की उम्मीद रहेगी। पहले दोनो ही मैचों में भारतीय टीम को निचले क्रम के बल्लेबाजों ने अच्छे स्कोर तक पहुंचाया था।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हालांकि इस तरह की गलती स्वीकार नहीं की जा सकती और शीर्षक्रम के बल्लेबाजों को बेहतर रन बनाने होंगे। अगर परिणाम भारत के पक्ष में नहीं रहता तो अंकतालिका में वह नीचे आ सकती है। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 12 अक्टूबर को होने वाले मुकाबले के लिए भी टीम पर दबाव बढ़ जाएगा।

पिछले दो मैचों में मुख्य बल्लेबाजों के नहीं चलने पर भी जीत मिलना टीम की गहराई और जुनून को दिखता है। वहीं दूसरी ओर गेंदबाजों ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्हें यह भी ध्यान रखना होगा कि विशाखापत्तनम की पिच गुवाहाटी या कोलंबो की तरह नहीं है। इसमें बल्लेबाजों को सहायता मिलती है। इसलिए और बेहतर गेंदबाजी करनी होगी। दीप्ति ने अभी तक छह विकेट

लिए है। उन्हें स्पिनरों स्नेह राणा और श्री चरणी से अच्छा सहयोग मिला है। तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है। बीमारी के कारण पाकिस्तान के खिलाफ मैच से बाहर रही ऑलराउंडर अमनजोत कौर भी फिट होने पर इस मैच में खेल सकती हैं। ऐसे में रेणुका सिंह को बाहर बैठना होगा।

दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका ने पिछले मैच में न्यूजीलैंड को छह विकेट से हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। वह वहले मैच में इंग्लैंड के खिलाफ 69 रन पर ही आउट हो गयी थी पर उसके बाद संभल गयी है और अब कोई गलती नहीं करना चाहेगी। उसके पास तजमीन ब्रिट्ज और सुने लूस के अलावा कप्तान लौरा वोल्वार्ट, मरियाने काप और एलेके बॉश जैसी बल्लेबाज हैं। तजमीन ने पिछले मैच में शानदार शतक लगाया था और वह ऐसा ही प्रदर्शन इस मैच में भी करना

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत = हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रौड्रिग्स, रिचा घोष, उमा छेत्री, रेणुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, राधा यादव, अमनजोत कौर, अरूंधति रेड्डी, क्रांति गौड़

दक्षिण अफ्रीका = लौरा वोलवार्ट (कप्तान), अयाबोंगा खाका, क्लो ट्रायॉन, नादिन डी क्लर्क, मरियाने काप, तजमिन ब्रिट्स, सिनालो जाफ्ता, नॉनकुलुलेको एमलाबा, एनेरी डर्कसन, एनेके बॉश, मसाबाता क्लास, सुने लूस, काराबो मेसो, तुमी सेखुखुने, नोंदुमिसो शांगासे।

चाहेंगी। वहीं गेंदबाजी में नोंकु एमलाबा, अयाबोंगा खाका, काप, मसाबाता क्लास और क्लो ट्रायॉन जैसी गेंदबाज हैं जिनसे भारतीय टीम को सावधान रहना होगा।

नीरज चोपड़ा ने स्विट्ज़रलैंड में पूरी की रिकवरी, अगले सीजन में दमदार वापसी के लिए तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने बताया कि वे स्विट्ज़रलैंड में अपनी रिकवरी पूरी कर अगले सत्र में और बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। इस साल चुनौतीपूर्ण रहा, लेकिन उन्होंने इससे बहुत कुछ सीखा और अनुभव तथा आत्मविश्वास भी बढ़ाया।

हरियाणा के इस एथलीट ने इस साल दोहा में 90 मीटर की दूरी पार की, लेकिन विश्व चैम्पियनशिप में पदक नहीं जीत सके। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण और पेरिस में रजत पदक जीत चुके नीरज ने कहा, 'बेहतर प्रदर्शन की गुंजाइश हमेशा रहती है और यही प्रेरित करती है। अब मेरा फोकस रिकवरी और अगले सत्र में मजबूती के साथ वापसी पर है। शरीर अच्छा महसूस कर रहा है और थोड़े आराम और रिकवरी के बाद मैं बेहतर वापसी कर सकूंगा।'

नीरज ने स्विट्ज़रलैंड की खूबसूरती और प्रशिक्षण सुविधाओं की भी तारीफ की। उन्होंने बताया कि उन्हें स्विस पहाड़, हरियाली, इंटरलाकेन से बर्न्स और लुसाने तक की ट्रेन यात्राएँ बेहद पसंद हैं। उन्होंने याद किया कि 2022 में स्विट्ज़रलैंड ने उन्हें 'दोस्ती दूत' बनाया और जुंगफ्राउजोच के 'आइस पैलेस' में सम्मानित किया, जहाँ पहले टेनिस दिग्गज रोजर फेडरर और गोल्फर रोरी मैकलरॉय सम्मानित हो चुके हैं।

नीरज ने कहा, 'मैंने ज्यूरिख में डायमंड लीग ट्रॉफी (2022) जीती, जो मेरे लिए खास है। मैग्लिंगन में मैंने स्विस ओलंपिक प्रशिक्षण केंद्र में अभ्यास किया और बुडापेस्ट में विश्व चैम्पियनशिप से पहले भी वहीं ट्रेनिंग की थी, जहाँ मैंने स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा मैंने परिवार और दोस्तों के साथ स्विट्ज़रलैंड का आनंद लिया। यह देश मुझे हमेशा याद रहेगा।'

नीरज ने यह भी स्पष्ट किया कि वे भारत से बाहर रहते हैं क्योंकि अधिकांश प्रतिस्पर्धाएँ विदेशों में होती हैं, खासकर यूरोप में। भारत में रहते हुए यात्रा और अभ्यास के साथ शेड्यूल बहुत व्यस्त हो जाता है, लेकिन स्विट्ज़रलैंड में उन्हें अभ्यास और रिकवरी दोनों के लिए सुविधा मिलती है।

धोनी मुंबई इंडियंस के लोगो वाली टी शर्ट में नजर आये

मुम्बई (एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को पांच बार आईपीएल खिताब जिताने वाले महेन्द्र सिंह धोनी के आईपीएल 2026 में खेलने को लेकर अभी तक संशय बना हुआ है। हर बार बढ़ती उम्र को देखते हुए उनके संन्यास की अटकलें लगायी जाती रही हैं पर धोनी मैदान में उतरकर सबको हैरान कर देते हैं। वहीं अब एक नई तस्वीर आई है। इसमें धोनी आईपीएल टीम मुम्बई इंडियंस के लोगो लगी ड्रेस में नजर आये। इसके बाद से ही प्रशंसक अटकलें लगाने लगे कि धोनी कहीं मुम्बई इंडियंस में तो नहीं जा रहे। इस तस्वीर में धोनी कुछ क्रिकेटरों और कुछ प्रशंसक के साथ जो टी शर्ट पहने हुए हैं, उस पर मुंबई इंडियंस का लोगो लगा हुआ है। धोनी वैसे तो एक फुटबॉल गेम का हिस्सा बने थे पर किट पर एमआई का लोगो देख हर कोई अटकलें लगाने लग गया है कि वे अगले सत्र में मुंबई इंडियंस की ओर

से खेल सकते हैं। इतना ही नहीं, प्रशंसक ने कहा कि रोहित शर्मा को चेन्नई शामिल ककरें वहीं कुछ प्रशंसक धोनी से नाराज भी दिखे। उनका कहना था कि उन्हें सीएसके टीम के पास ही बने रहना चाहिये। एमएस धोनी से नाराज भी नजर आए। एक यूजर ने लिखा कि धोनी एमआई और रोहित सीएसके जा सकते हैं। इससे पहले धोनी ने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ चेन्नई के अंतिम लीग मैच के बाद कहा, मेरे पास आईपीएल खेलने पर फैसला लेने के लिए चार-पांच महीने हैं, इसलिए मैं कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहता हूं।

सचिन तेंदुलकर ने भारतीय वायुसेना दिवस पर जताया गर्व

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर ने 93वें भारतीय वायुसेना दिवस पर अपने खास अंदाज़ में देश के वीर आसमानी योद्धाओं को नमन किया। उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना सिर्फ हमारे आसमान की नहीं, बल्कि 1.4 अरब भारतीयों की आकांक्षाओं की भी रक्षा करती है। सचिन ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'भारतीय वायु सेना का हिस्सा बनकर गर्व है। भारतीय वायुसेना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं! जय हिंद!'

हिंडन एयरबेस पर गूंजा जश्न

वायुसेना दिवस का मुख्य समारोह गाजियाबाद के हिंडन वायुसेना स्टेशन पर आयोजित हुआ, जहाँ आसमान में उड़ते फाइटर जेट्स और जमीन पर मार्च करती टुकड़ियों ने सबका दिल जीत लिया। इस मौके पर ऑपरेशन 'सिंदूर' को भी विशेष श्रद्धांजलि दी गई, जो भारतीय वायुसेना के

इतिहास का गौरवशाली अध्याय है।

1932 से आज तक का गौरवशाली सफर

भारतीय वायुसेना की स्थापना 8 अक्टूबर 1932 को ब्रिटिश भारत की सहायक इकाई के रूप में हुई थी। आज यह दुनिया की सबसे शक्तिशाली वायुसेनाओं में गिनी जाती है, जिसका मूल उद्देश्य भारत के वायुक्षेत्र की सुरक्षा और आपात स्थिति में हवाई युद्ध संचालन करना है।

क्रिकेट जगत से भी देशभक्ति की गूंज

सिर्फ सचिन ही नहीं, बल्कि भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर और पूर्व ओपनर शिखर धवन ने भी वायुसेना को सलाम किया। गंभीर ने लिखा, ÷हमारे आसमान के रक्षकों को सलाम!÷ वहीं धवन ने कहा, ÷उन लोगों को नमन जो सच में आसमान के मालिक हैं - जय हिंद!÷

टीम इंडिया का अगला मिशन

क्रिकेट मोर्चे पर, भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा टेस्ट 10 अक्टूबर से दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद टीम ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर जाएगी, जहां 19 अक्टूबर से तीन मैचों की वनडे सीरीज़ और 29 अक्टूबर से 5 टी20 मुकाबले खेले जाएंगे। यह सीरीज़ अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियों के लिहाज़ से बेहद अहम मानी जा रही है।

जोकोविच का शानदार प्रदर्शन, चोट के बावजूद मैच जीतकर क्वार्टरफाइनल में किया प्रवेश

शंघाई। नोवाक जोकोविच ने अपने बाएं टखने की चोट, शंघाई की उमस और जौम मुनार की चुनौती के बावजूद 11वीं बार शंघाई मास्टर्स के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। दो घंटे 40 मिनट चले इस मुकाबले में सर्बियाई स्टार को पैर की समस्या के कारण कई बार मेडिकल टाइमआउट लेने पड़े और उच्च उमस (82 प्रतिशत से अधिक) के बीच उन्होंने बार-बार सिर पर टॉवल रखा। खेल के दौरान जोकोविच को उल्टी भी हुई और दूसरे सेट में हार के बाद मेडिकल सहायता के लिए जमीन पर गिरना पड़ा। बावजूद इसके, 38 वर्षीय खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुनार को 6-3, 5-7, 6-2 से हराया। जोकोविच शंघाई में अब तक हर साल क्वार्टरफाइनल तक पहुंचे हैं और चार बार ट्रॉफी जीत चुके हैं। वर्तमान में दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी और ड्रॉ में शीर्ष रैंकिंग वाले बाएं हाथ के खिलाड़ी का अगला मुकाबला बेल्जियम के ज़िज़ोउ बर्ग्स से होगा। वहीं, मंगलवार को होल्गर रूण लगभग तीन साल बाद अपने पहले एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब के करीब पहुंचे, जब उन्होंने फ्रांसीसी खिलाड़ी जियोवानी एमपेट्शी पेरीकार्ड को 6-4, 6-7(7), 6-3 से हराया।

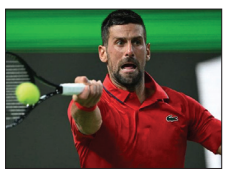

इसी माह रणजी सत्र से वापसी कर सकते हैं ऋषभ

नई दिल्ली। इंग्लैंड दौरे में चोटिल होने के बाद से ही भारतीय टीम से बाहर चल रहे विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत इसी माह से खेल के मैदान पर उतर सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ऋषभ 25 अक्टूबर से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर में दिल्ली की ओर से खेल सकते हैं। इससे उनकी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की राह बनेगी। इस विकेटकीपर बल्लेबाज इंग्लैंड दौरे में पैर में चोट लगी थी, जिसके बाद वह टीम से बाहर हो गए थे। वह इस समय अपने पुनर्वास के अंतिम चरण में हैं। इस सप्ताह बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में उनकी फिटनेस की जांच की जाएगी। अब वह आराम से चल रहे हैं और भार प्रशिक्षण व गतिशीलता अभ्यास के साथ उन्होंने बल्लेबाजी में लय भी हासिल कर ली है। वह अगर फिट घोषित कर दिया जाता है तो वह दिल्ली टीम से जुड़ सकते हैं। दिल्ली की टीम 15 अक्टूबर को हैदराबाद के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी। दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) के मुताबिक, पहले मैच में उनका खेलना थोड़ा संदिग्ध है, पर वह दूसरे दौर से टीम की कप्तानी कर सकते हैं।

राउंडग्लास हॉकी अकादमी का जलवा बरकरार, लगातार दूसरी बार जीता अंडर-16 खिताब

मोहाली (एजेंसी)। RGHA (राउंडग्लास हॉकी अकादमी) ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए एसएनबीपी ऑल इंडिया अंडर-16 बॉयज हॉकी टूर्नामेंट का खिताब एक बार फिर अपने नाम किया। पुणे के बालेवाड़ी महालुंगे में खेले गए फाइनल में आरजीएचए ने ओडिशा नेवल टाटा ग्रासरूट्स अकादमी को 3-1 से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

विजेता टीम की ओर से प्रह्लाद पांडे ने दो गोल दागे, जबकि अर्शप्रीत सिंह ने एक गोल करते हुए टीम को खिताबी जीत दिलाई। ओडिशा नेवल टाटा की ओर से बिकाश मांझी ने एकमात्र गोल किया।

मैच की शुरुआत से ही आरजीएचए ने आक्रामक खेल दिखाया और 14वें मिनट में अर्शप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में

बदलकर बढ़त दिलाई। हालांकि 34वें मिनट में बिकाश मांझी ने पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद आरजीएचए ने नियंत्रण दोबारा हासिल करते हुए 38वें और 53वें मिनट में प्रह्लाद पांडे के शानदार गोलों से जीत पक्की की।

टूर्नामेंट में अर्शदीप सिंह को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, जबकि वरिंदर सिंह को सर्वश्रेष्ठ फॉरवर्ड का पुरस्कार मिला।

सेमीफाइनल में आरजीएचए ने घुमनहेड़ा राइजर्स हॉकी अकादमी (नई दिल्ली) को 8-2 से हराया था। इस मैच में वरिंदर सिंह ने हैट्रिक लगाई, जबकि रोहित पाल और अर्शप्रीत सिंह ने दो-दो गोल किए।

क्वार्टरफाइनल में भी आरजीएचए का दबदबा कायम रहा, जहां उन्होंने जय हॉकी अकादमी को 9-0 से हराया। वरिंदर सिंह ने एक और हैट्रिक लगाई, जबकि रोहित पाल, प्रह्लाद पांडे, अर्शदीप सिंह, अर्जनदीप सिंह और अर्शप्रीत सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया।

कोच विकास पाल के मार्गदर्शन में खेल रही यह युवा टीम पूरे टूर्नामेंट में अपराजित रही। ग्रुप चरण में भी उन्होंने वीर हॉकी अकादमी को 11-0 और इन्फिनिटी हॉकी अकादमी को 8-0 से हराते हुए क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई।

विश्व जूनियर बैडमिंटन : भारत ने यूएई को हराकर क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

गुवाहाटी। भारत ने नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में यूएई को सीधे सेटों में हराकर योनेक्स-सनराइज बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप 2025 के क्वार्टरफाइनल की तैयारियाँ शुरू कर दी हैं। भारत ने यूएई को 45-37, 45-34 से हराते हुए आत्मविश्वास से भरा प्रदर्शन किया। टीम की शुरुआत तन्वी शर्मा ने की, जिन्होंने भारतीय जूनियर चैंपियन प्रकृति भरत को 9-5 से हराया। इसके बाद सी लालरामसांगा और विशाखा टोप्पो की मिश्रित युगल जोड़ी ने भी 18-10 से जीत दर्ज की। यूएई ने लड़कों के एकल और युगल मुकाबलों में अच्छी चुनौती दी, लेकिन भारत ने अपनी बढ़त बनाए रखी। ग्रुप ए में भारत के अलावा जापान, थाईलैंड, अमेरिका और फ्रांस ने भी शानदार प्रदर्शन किया। जापान ने शीर्ष वरीयता प्राप्त थाईलैंड को हराकर ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि अमेरिका ने फ्रांस को हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। अब भारत को अपने क्वार्टरफाइनल प्रतिद्वंदी का पता ग्रुप जी में शीर्ष पर रहने वाली टीम के मुकाबले के बाद ही चलेगा। भारत इस टूर्नामेंट में एकमात्र अपराजित टीम के रूप में आगे बढ़ रहा है, और टीम के खिलाड़ियों का प्रदर्शन देश के लिए उम्मीद जगाता है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारतीय टीम को 2-1 से हार का सामना करना पड़ेगा : फिंच

सिडनी (एजेंसी)। रोहित शर्मा की जगह पर नये कप्तान शुभमन गिल की कप्तानी में भरतीय टीम इसी माह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। इस दौरे में भारतीय टीम तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलनी है। इसी को लेकर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच की प्रतिक्रिया सामने आयी है। फिंच का कहना है कि ये सीरीज रोमांचक रहेगी पर इसमें भारतीय टीम को 2-1 से हार का सामना करना पड़ सकता है। फिंच के अनुसार देखने पर दोनो ही टीमें बराबरी पर नजर आती हैं पर ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने घरेलू मैदान होने के कारण हावी रहेगी। फिंच का कहना है कि इस दौरे में सभी की नजरें विराट कोहली को एक बार फिर खेलते हुए देखने पर रहेंगी।

फिंच ने कहा, 'यह एक अच्छी सीरीज होगी। भारत के खिलाफ हमेशा ही रोमांचक मुकाबला होता है और मुझे लगता है कि विराट की वापसी से उनके खेल में और निखार आएगा। कागज पर यह मुकाबला हालांकि बहुत ही बराबरी का है लेकिन मैं कहूंगा कि ऑस्ट्रेलिया 2-1 से सीरीज जीत सकता है।'

फिंच ने हाल में टेस्ट प्रारुप में गिल की कप्तानी की प्रशंसा की। इस पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा कि गिल को रोहित और विराट का भी सहयोग मिलेगा जो उन्हें इंग्लैंड दौरे पर नहीं मिल पाया था। फिंच ने कहा. ÷शुभमन ने पहले ही टी20 और टेस्ट क्रिकेट में अपनी नेतृत्व क्षमता दिखाई है, इसलिए मुझे भरोसा है कि यह कोई अलग नहीं होगा। वह एक शानदार खिलाड़ी हैं, खासकर सफेद गेंद के फॉर्मेट में और जिस तरह से उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में कप्तानी की। उससे उनकी क्षमताओं का अंदाजा होता है। ये भारतीय टीम लिए एक बड़ा सकारात्मक संकेत है कि वह अगले कदम के लिए तैयार हैं और सभी तीन फॉर्मेट को भविष्य में संभाल सकते हैं।'

इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में उनके पास सलाह के लिए ज्यादा विकल्प नहीं थे पर इसके बाद भी शुभमन ने अपने बल पर ही शानदार काम किया पर इसक बार रोहित और कोहली के

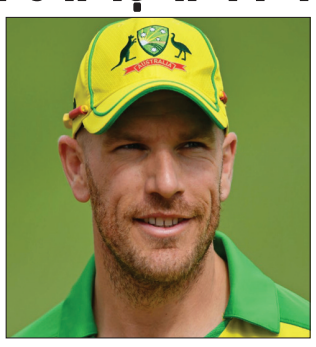

होने से वह और अधिक बेहतर तरीके से कप्तानी कर पायेंगे। वह जानते हैं कि टीम को कैसे आगे ले जाना है।

धवन पर मुक्के बरसाना चाहता है पाक स्पिनर अबरार

लाहौर। पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद के एक ताजा वीडियो से भारतीय टीम के प्रति पाक क्रिकेटरों की नफरत का खुलासा हुआ है। अबरार इस वीडियो के दौरान एक साक्षात्कार देते नजर आये। इसमें जब उनसे पूछा गया कि आप किस भारतीय क्रिकेटर से गुस्से में रहते हैं तो अबरार ने सलामी बल्लेबाज शिखर धवन का नाम लिया और कहा कि वह धवन पर घूंसे बरसाना चाहते हैं। अब पाक क्रिकेटर ने ये मजाक में कहा या किसी और कारण से ये स्पष्ट नहीं हुआ है। बहरहाल इस वीडियो पर प्रशंसकों ने नाराजगी जताते हुए इससे खेल भावना के विपरीत बताया है। अबरार पहले भी अपने बेतुके सेलिब्रेशन के कारण विवादों में रहे हैं। सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने कई बार उनकी क्लास लगायी है। वह भारतीय टीम के खिलाफ विकेट लेने के बाद अलग ही अंदाज में जश्न मनाते रहे हैं। इस दौर गर्दन घुमाते और आंखों को मटकाते रहे हैं। इसी साल चैंपियंस ट्रॉफी में शुभमन गिल को आउट करने के बाद उन्होंने गर्दन को झटक-झटक आंखों को अलग ही अंदाज में मटकाकर भारतीय प्रशंसकों को उकसाने का प्रयास किया था। पिछले महीने एशिया कप के फाइनल में भी संजू सैमसन को आउट करने के बाद भी उन्होंने गर्दन को अजीब तरह से हिलाया था। अबरार ने अब तक पाकिस्तान के लिए 10 टेस्ट और 11 एकदिवसीय खेले हैं। टेस्ट में उनके नाम 46 विकेट और एकदिवसीय में 18 विकेट दर्ज हैं। उन्होंने 23 टी20 अंतरराष्ट्रीय में 29 विकेट लिए हैं। अबरार एशिया कप फाइनल में 29 रन देकर एक विकेट लिया था। संजू सैमसन को आउट करने के बाद उन्होंने गर्दन हिलाकर आंखों को खास अदा से मटकाकर भारतीय प्रशंसकों को चिढ़ाया था।

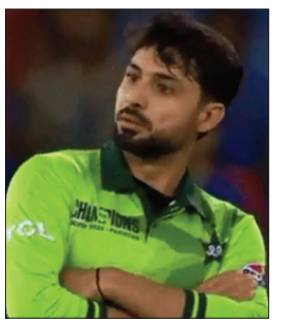

जडेजा और सिराज ने रचा इतिहास, आईसीसी रैंकिंग में हासिल किया करियर का सर्वश्रेष्ठ मुकाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के दो प्रमुख चेहरे रवींद्र जडेजा और मोहम्मद सिराज ने आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में अपने करियर की नई ऊंचाइयां छू ली हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद टेस्ट में शानदार प्रदर्शन के बाद दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में बड़ा मुकाम हासिल किया। जडेजा बल्लेबाजी और ऑलराउंडर रैंकिंग में उछले, जबकि सिराज गेंदबाजी सूची में चमके।

जडेजा की शानदार बल्लेबाजी और ऑलराउंड प्रदर्शन

रवींद्र जडेजा ने वेस्टइंडीज़ के खिलाफ पहली पारी में नाबाद 104 रन बनाकर बल्लेबाजी रैंकिंग में 25वां स्थान हासिल किया जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ है। साथ ही चार विकेट लेकर उन्होंने ऑलराउंडर रैंकिंग में अपनी शीर्ष स्थिति और मजबूत कर ली। अब उनके कुल 644 रेटिंग पॉइंट्स हैं और मेहदी हसन पर 125 अंकों की बढ़त है।

सिराज गेंदबाजी रैंकिंग में पहुंचे 12वें स्थान पर

तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद सिराज ने अपनी लय को जारी रखते हुए पहली पारी में 4 और दूसरी में 3 विकेट झटके। इस प्रदर्शन के दम पर वह तीन स्थान ऊपर चढ़कर 12वें स्थान पर पहुँच गए हैं। सिराज के करियर में पहली बार 700 से अधिक रेटिंग अंक हुए हैं, जिससे वह दुनिया के शीर्ष तेज़ गेंदबाज़ों में शुमार हो गए हैं।

राहुल और जुरेल को भी रैंकिंग में फायदा

केएल राहुल और ध्रुव जुरेल ने अहमदाबाद टेस्ट में अपने शतकों से टीम इंडिया की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसके चलते राहुल चार पायदान ऊपर चढ़कर 35वें स्थान पर आ गए हैं, जबकि जुरेल ने अपने पहले ही टेस्ट शतक के बाद 20 स्थान की छलांग लगाते हुए 65वें पायदान पर जगह बनाई।

कुलदीप यादव का भी शानदार प्रदर्शन

बाएँ हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव ने भी प्रभावशाली गेंदबाज़ी जारी रखी। उन्होंने वेस्टइंडीज़ के खिलाफ दो अहम विकेट लेकर रैंकिंग में सात स्थान की छलांग लगाई और अब वह 21वें स्थान पर हैं। यह प्रदर्शन उनके टेस्ट करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनों में गिना जा रहा है।

टी20 रैंकिंग में भी हुए बड़े बदलाव

आईसीसी टी20 रैंकिंग में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान

मिशेल मार्श ने शानदार बल्लेबाज़ी से टॉप 10 में वापसी की है। वहीं न्यूज़ीलैंड के टिम रॉबिन्सन और अफ़ग़ानिस्तान के राशिद खान ने भी उल्लेखनीय प्रगति की। राशिद अब गेंदबाज़ी सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं जो पिछले साल जून के बाद उनका सबसे ऊंचा स्थान है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुनहरी आभा का जैसलमेर

राजस्थान के पश्चिमी छोर पर थार मरुस्थल में बसे इस खूबसूरत शहर के किले, प्राचीन मंदिरों और रेत पर ऊंट की सवारी का लुत्फ लेने के लिए अब तमाम साधन उपलब्ध हैं। देश के सबसे गर्म शहरों में शुमार जैसलमेर को रेतीली जमीन पर बसा होने के कारण पहले मेरू नाम से जाना जाता था। सन 1156 में जैसलमेर की स्थापना भाटी राजा जैसल ने की थी और 12 साल तक यहां शासन किया।

लुभाने लगे तालाब और स्तूप

मध्य प्रदेश के प्राचीन धरोहरों की तरफ पूरी दुनिया के पर्यटक मानो खिंचे चले आ रहे हैं। बिहार के बौद्ध सर्किट की तरह ही मध्य प्रदेश भी विश्व पर्यटन पर अपना अमिट अक्स छोड़ने लगा है। भोपाल की गैस त्रासदी दिल दहलाने वाली जरूर है लेकिन इस शहर का एक दूसरा रूप भी है जो मन और आंखों को मोहने वाला है। तालाबों के शहर भोपाल की गंगा जमुनी संस्कृति आधुनिकता का आवरण पहने सैलानियों के मन प्राण पर छा रही है। भोपाल ही नहीं खजुराहो और मांडू जैसे पर्यटन क्षेत्र भी पर्यटकों के जमघट के गवाह बन रहे हैं। प्राचीन धरोहरों से समृद्ध यह प्रदेश आधुनिकता के हाईवे पर भी किसी से पीछे नहीं है। राजधानी भोपाल को नए शॉपिंग कॉम्प्लेक्स व मॉल जैसे आधुनिक रूपों ने भी सजाया है। अरेरा और शामला हिल्स स्थित रेस्तरां, म्यूजियम और होटल सैलानियों के लिए खासे चर्चित हो रहे हैं। %भोपाल ब्यूटी% के नाम से चर्चित ऊपरी तालाब में स्पीडबोटों में आनंद की अठखेलियों में डूबते-उतराते धनी लोग एक अनोखा दृश्य उपस्थित करते हैं। तालाबों के उत्तर में पुराना शहर है। भोपाल से 46 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में गोलाई लिए एक पहाड़ी का अभ्युदय हुआ है, जिसे सांची के नाम से जाना जाता है। इस पहाड़ी पर भारत के कुछ अति प्राचीन बौद्ध स्थल बने हुए हैं। सांची का बौद्ध स्तूप अपनी गरिमा और ऐतिहासिकता के साथ मध्य प्रदेश की गरिमा में चार चांद लगा रहा है। कलिंग युद्ध के बाद बौद्ध मौर्य सम्राट अशोक ने स्तूप बनाने के लिए अपनी पत्नी के जन्म स्थान के पास इस जगह को चुना।बुर्जों से सजा यह स्थल धार्मिक अवशेषों का संग्रह करने के लिए बनाया गया था। इस इलाके में यह पहला बौद्ध स्मारक है। अल सुबह और शाम इन स्तूपों की छटा में जो निखार आता है, उसे देख कर ही महसूस किया जा सकता है। सांची के आसपास सोनारी, सतधारा, अंधेर, गिरासपुर जैसे बौद्ध स्थल बिखरे पड़े हैं। सांची से 10 किलोमीटर उत्तर-पूर्व बेतवा और बेस नदियों से सिंचित विदिशा ईशा पूर्व 5वीं और 6ठी शताब्दी में वाणिज्य का एक बड़ा केंद्र था। विदिशा भी पर्यटकों के लिए प्राचीन धरोहरों का एक अप्रतिम स्थल साबित होता है। इस सरजमीं के इतिहास को सम्राट अशोक, सिंधिया और मुगलों के आगमन ने समृद्ध किया है। खजानों के देवता कुबेर यक्ष की पत्थर की तीन मीटर ऊंची प्राचीन मूर्ति पर्यटकों के आकर्षण का बड़ा केंद्र बन रही है। वहाँ के अन्य प्राचीन आकर्षणों में प्रेम आलिंगन में बद्ध 11वीं सदी में ढली साँप दंपत्ति, हनुमान एवं प्रेम के देवता कामदेव की मूर्तियाँ शामिल हैं। खजुराहो मंदिर यूनेस्को की विश्व-विरासत की सूची में शामिल है। विश्व पर्यटन के मानचित्र में खजुराहो का नाम प्रमुखता से उभर रहा है। खुजराहो कामशास्त्र पर आधारित मूर्तियों का समूह है। यह परिसर चंदेल वंश के राजाओं के समय 950 ई. से 1050 ई. के बीच बना था, जिसमें 85 मंदिर थे, हालाँकि अब सिर्फ 22 मंदिर ही बचे हैं। इनके अलावा यहाँ सिर्फ कंदरिया महादेव का मंदिर ही बचा है। यह मंदिर पाँच मुख्य वर्गों में विभाजित है, जिनमें तीन वर्ग छोटे मंदिरों के हैं। मंडप में प्रवेश करने पर सभाकक्ष पड़ता है, फिर एक गलियारा पार करने पर मंदिर का गर्भगृह मिलता है, जहाँ प्रतिमा स्थापित है। ऊँचे चबूतरे पर स्थित इन मंदिरों में कुछ बड़े, कुछ छोटे मंदिर हैं।

आनंदपुर साहिब गुरुद्वारा

भारत में प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों में सबसे प्रथम स्थल है आनंदपुर साहिब का गुरुद्वारा। सिख धर्म के लोग में यह गुरुद्वारा जागृत है। मान्यता है कि इस गुरुद्वारे में मत्था टेकने वाले श्रद्धालुओं की मुराद पूरी होती है। यह गुरुद्वारा पंजाब के उत्तर-दक्षिण क्षेत्र में चंडीगढ़ से 80 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। सन् 1664 में श्री गुरु तेग बहादुर ने माक्होवाल के प्राचीन क्षेत्र में आनंदपुर साहिब गुरुद्वारा बनवाया था। गुरु गोबिंद सिंह ने इस स्थल पर 25 साल आनंदपुर में व्यतीत किया है। सन् 1936 -1944 में तख्त केसरगढ़ साहिब बनाया गया। स्थानीय लोगों का मानना है कि तख्त साहिब में प्राचीन शस्त्र पाए गए हैं। तख्त साहिब के वास्तुशिल्प में एक बड़ा भवन निर्मित किया है एवं इमारत के सामने एक खूबसूरत वाटिका है। गुरुद्वारा के दर्शन करने भटिंडा से लेकर बर्मिंघम के निवासी इस स्थल के दर्शन करने आते हैं। मार्च के महीने में होला मोहल्ला एवं बैसाख के महीने में कई लोग इस त्योहार को मनाते हैं। अप्रैल महीने में बैसाख का त्योहार धूमधाम एवं खुशियों से मनाया जाता है। होला मोहल्ला त्योहार दसवें गुरु गोबिंद सिंहजी ने मनाया है। हजारों श्रद्धालु यहाँ एकत्र होते हैं। रंगबिरंगे गुलाल के खेल में मन भाव विभोर हो जाता है। सन् 1999 में मनाया गया बैसाख पर खालसा पंथ के 300 साल पूरे हुए। पंजाब के प्रसिद्ध नृत्य-संगीत से त्योहार का प्रारम्भ होता है।

धरती का स्वर्ग है मॉरीशस

मॉरीशस के प्राकृतिक सौन्दर्य को देखकर ऐसा लगता है मानो धरती से स्वर्ग में आ गए हों। मॉरीशस की मुद्रा रुपी है परन्तु यूरोप के पर्यटकों के लिए वस्तुओं की कीमत यूरो में होगी। इस द्वीप में सफर करने केलिए मई से दिसंबर तक का समय उपयुक्त है। इस क्षेत्र की प्रमुख भाषा क्रियोल है। अन्य भाषाएँ जो यहाँ प्रचलित हैं, वे है अँग्रेजी, फ्रेंच, हिंदी, क्रियोल।

पोर्ट लुईस मॉरीशस की राजधानी है। अन्य मुख्य शहर हैं मोका, क्योरपाइप, वाकोस, फोइनिक्स, क्वाटरे बोर्नस, रोस हिल, बिउ बासिन। मॉरीशस का क्षेत्रफल 330 वर्ग किलोमीटर है तथा आसपास समुद्री किनारे हैं। समुद्र के किनारे कोरल रीफ(समुद्र के पास पाया जाने वाला एक विशेष पौधा) से घिरे हुए हैं। समुद्र के किनारे मनोरंजन की सारी सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

विभिन्न प्रकार की जलीय क्रीड़ाएँ खेल पर्यटकों के मध्य लोकप्रिय हैं जैसे वाटर सर्फिंग, वाटर स्कीइंग, पैरासेलिंग, सबमैरीन डाइव, जल स्कूटर, राइडिंग, ट्यूब राइडिंग, वोट सेलिंग आदि। पोर्ट लुईस एक प्रमुख व्यापारिक तथा पर्यटक स्थल है। इस शहर में घूमने के लिए आप बाल्टर बीच(पुल) पर टहल सकते हैं। इस बीच का प्राकृतिक सौन्दर्य मनभावन है। थोड़ी ही दूर में वालंटियर प्वाइंट पर्यटक स्थल है। मॉरीशस में मोका एक प्रमुख शहर है। यहाँ पर आप महात्मा गाँधी इंस्टीट्यूट देख सकते हैं।

रोस हिल - इस शहर में खरीदारी के लिए माल्स, अरब टाउन मार्केट तथा टाउन सेंटर बाज़ार प्रसिद्ध हैं।

क्योरपाइप - यह शहर शॉपिंग तथा भारतीय वस्त्रों के लिए प्रसिद्ध है। बॉटनिकल गार्डन्स तथा ट्राउ और सर्फस क्रेटर अब पर्यटक स्थल के रूप में लोकप्रिय हैं।

माहेबर्ग में नेशनल हिस्ट्री म्यूजियम एक महत्वपूर्ण दर्शनीय स्थल है। यहाँ पर नाट्री डेम देस एंगेस (चर्च) प्रसिद्ध स्थल है। मॉरीशस में हस्तशिल्प बहुत ही प्रसिद्ध है। यह कला काफी सालों से चलती आ रही है।

पैंपलमाउसेस - यहाँ का शुगर एडवेंचर म्यूज़ियम बहुत ही मशहूर है। इस म्यूज़ियम में मॉरीशस के सांस्कृतिक तथा साहित्यिक जानकारियाँ उपलब्ध हैं।

कासेला बर्ड पार्क - ब्लैक नदी के पास स्थित यह पार्क 20 किलोमीटर जमीन पर स्थित है।

लोकेशन

पांच केदारों में प्रमुख है मदमहेश्वर

पिछले साल मेरा कार्यक्रम मदमहेश्वर जाने का बना। मध्य नवंबर तक यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ, तुंगनाथ, रुद्रनाथ और कल्पेश्वर के कपाट बंद हो चुके थे। बस बद्रीनाथ और मदमहेश्वर के कपाट खुले थे। मैं निकला तो बद्रीनाथ के लिए ही था लेकिन रुद्रप्रयाग पहुंचकर बुद्धि फिरी और मदमहेश्वर जाने लगा। वहां जाने के लिए रुद्रप्रयाग जिले में ऊखीमठ तक जाना होता है। रुद्रप्रयाग से बसें और जीपें मिलती हैं। ऊखीमठ में मुख्य बाजार से सीधा रास्ता उनियाना जाता है जो आजकल मदमहेश्वर यात्रा का आधार स्थल है। मैं शाम तक उनियाना पहुंच गया था। यहां से मदमहेश्वर की दूरी 23 किलोमीटर है जो पैदल नापी जाती है। यूं तो मैं कभी अपनी यात्राओं में गाइड का सहारा नहीं लेता हूं लेकिन इस बार लेना पड गया। चार सौ रुपये प्रतिदिन के हिसाब से तय किया था और आने-जाने का तीन दिन का हिसाब था। वैसे रास्ता इतना बढिया है कि गाइड की जरूरत ना पडे। वैसे कुछ लोगों का यह भी मानना है कि पहाड के सफर में कोई स्थानीय जानकार होना अच्छा रहता है। खास तौर पर किसी मुश्किल या प्राकृतिक संकट के वक्त गाइड खासे काम आते हैं। अगले दिन सुबह उनियाना से चलकर तीन किलोमीटर आगे रांसी गांव पहुंचे। कुछ साल पहले तक यह यात्रा मनसूना से शुरू होती थी। मनसूना ऊखीमठ और उनियाना के बीच में है। तब यात्री पैदल ही मनसूना से उनियाना तक पहुंचते थे। अब उनियाना तक तो सडक पहुंच गई है, आगे भी जाएगी। रांसी के लिए भी सडक मार्ग पर बस एक पुल बनना बाकी है, सडक बन चुकी है। जिस दिन पुल चालू हुआ, गाडियां उनियाना के बजाय रांसी तक जाया करेंगी। इस तरह पैदल चलने का रास्ता और कम हो जाएगा। वैसे भी रांसी उनियाना के मुकाबले ज्यादा समृद्ध और बडा गांव है। यहां राकेश्वरी देवी का एक प्राचीन मंदिर भी है। रांसी से हल्की सी चढाई के बाद सामने दिखाई देता है गौण्डार गांव। गौण्डार तक सीधा ढलान है। घने जंगलों से होकर वहां तक पगडंडियां जाती हैं। यह इस घाटी का आखिरी गांव है। रांसी और गौण्डार के बीच में जो जंगल है, उसमें कई झरने भी हैं। दोपहर तक हम गौण्डार पहुंच गए। वहीं खाना खाया। उनियाना से अभी तक तो रास्ता कुल मिलाकर चढाई भरा था लेकिन इतनी तेज चढाई नहीं थी। असली चढाई शुरू होती है गौण्डार से एक खड्ड को पार कर लेने के बाद। खड्ड के बाद सबसे पहले आती है बनतोली चट्टी। यहां रुकने का ठीकठाक इंतजाम है। यहां से चौखंभा चोटी के भी दर्शन होते हैं। वैसे तो चौखंभा उनियाना से निकलते ही दिखाई देने लगती है लेकिन बनतोली में उसे नजदीक से देखना रोमांचक है। गौण्डार से करीब डेढ किलोमीटर आगे आती है- खटरा चट्टी।

सभी के मन में उत्सुकता रहती है कि आर्कटिक में कितनी ठंड होगी, कितनी बर्फ गिरती होगी, लोग कैसे रहते होंगे, वे क्या करते होंगे, क्या खाते होंगे, क्या पैदावार होती होगी आदि-आदि। इन्हीं जिज्ञासाओं के समाधान के लिए हमने वहाँ की यात्रा करने का निश्चय किया। सेलिब्रिटी करूजेज की यह यात्रा बारह दिनों की थी तथा एम्सटरडम (नीदरलैंड) से शुरू हुई। यात्रा सेन्चुरी जहाज से शुरू हुई। यह जहाज चौदह मंजिला है। यह यात्रा नार्वे के समुद्र तट के साथ चलते हुए आर्कटिक सर्कल को पार करते हुए नॉर्थ केप पहुँची। समुद्र किनारे पर सैकड़ों स्थानों पर समुद्र पृथ्वी के अंदर तक पहुँच जाता है। कहीं-कहीं तो यह मीलों तक होता है। ये रास्ते ऊँचे पहाड़ों से भारी ग्लेशियरों के तेज प्रवाह के कारण सैकड़ों वर्षों से बनते आ रहे हैं। इन्हें फ्यूर्ड कहते हैं। इन फ्यूर्ड्स में गिरेन्गर फ्यूर्ड, हारडेन्गर फ्यूर्ड, नार्ड फ्यूर्ड तथा सोगने फ्यूर्ड काफी बड़े एवं दर्शनीय हैं। तीसरे दिन सुबह एलसंड पहुँचे। नार्वे के उत्तर-पश्चिम समुद्र तट पर बसा यह शहर इस देश का सबसे बड़ा मछली उत्पादक स्थान है। यहाँ सन्तमोर म्यूजियम, मार्बल चर्च, अटलांटिक सी पार्क दर्शनीय स्थल हैं। दिनभर यहाँ सैर करने के पश्चात शाम को जहाज आगे की यात्रा के लिए चल दिया। अगले दिन हम लोग समुद्र में ही रहे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बिहार में सख्ती से लागू करें आचार संहिता, घोषणाएं और नीतिगत फैसले पर लगा बैन

सार्वजनिक और निजी संपत्तियों से पोस्टर, बैनर हटाने का आदेश

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए आदर्श आचार संहिता को लागू कर दिया है। 6 अक्टूबर को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ आयोग ने बिहार के मुख्य सचिव और मुख्य निर्वाचन अधिकारी को आचार संहिता के सख्त कार्यान्वयन के निर्देश दिए। यह संहिता न केवल राज्य सरकार, बल्कि केंद्र सरकार पर भी लागू होगी, खासकर बिहार से संबंधित नीतिगत फैसलों और घोषणाओं के मामले में।

चुनाव आयोग ने सरकारी, सार्वजनिक और निजी संपत्तियों से किसी भी तरह के पोस्टर, बैनर को हटाने का आदेश दिया है। साथ ही, सरकारी वाहनों, आवास या संसाधनों का किसी भी राजनीतिक दल, उम्मीदवार या चुनाव से जुड़े व्यक्ति द्वारा दुरुपयोग रोकने के लिए सख्ती बरतने को कहा है। सरकारी खर्च पर विज्ञापन जारी करने पर भी पूर्ण बैन लगाया है। नागरिकों की निजता का सम्मान करने और निजी संपत्तियों पर बिना मालिक की सहमति के झंडे, बैनर या पोस्टर लगाने पर रोक है। निजी आवासों के बाहर प्रदर्शन या धरना देने की भी मनाही है। शिकायतों के निपटारे के लिए आयोग ने 24 घंटे चलने वाली शिकायत निगरानी प्रणाली शुरू की है।

शिकायतों के निपटारे के लिए आयोग ने 24 घंटे चलने वाली शिकायत निगरानी प्रणाली शुरू की है। नागरिक कॉल सेंटर नंबर 1950 या जिला निर्वाचन अधिकारी के पास शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके अलावा सी-विजिल ऐप के जरिए एमसीसी उल्लंघन की शिकायत की जा सकती है, जिस पर 100 मिनट के अंदर कार्रवाई करने के लिए राज्य में 824 उड़न दस्ते तैनात किए गए हैं।

आयोग ने मंत्रियों को आधिकारिक कर्तव्यों को चुनाव प्रचार से अलग रखने और सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग न करने का निर्देश दिया है। चुनाव से जुड़े अधिकारियों के स्थानांतरण पर भी रोक लगा दी है। सभी अधिकारियों को निष्पक्षता के साथ काम करने, सभी दलों के साथ समान व्यवहार और कानून-व्यवस्था बनाए रखने को कहा है। सार्वजनिक स्थानों, जैसे मैदान और हेलीपैड, का आवंटन पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर निष्पक्ष रूप से करने के लिए सुविधा मॉड्यूल को सक्रिय कर दिया है।

60 करोड़ की धोखाधड़ी : शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा की बढ़ीं मुश्किलें

-विदेश यात्रा पर हाई कोर्ट ने लगाया रोक, 14 अक्टूबर को होगी सुनवाई

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट ने इस जोड़े के विदेश यात्रा पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने शिल्पा और उनके पति को धोखाधड़ी के मामले में 60 करोड़ रुपये चुकाने का आदेश दिया है। दरअसल मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया था। यह आदेश अभी भी लागू है, जिसके चलते शिल्पा और राज कोर्ट या जांच एजेंसी की अनुमति के बिना विदेश यात्रा नहीं कर पाएंगे। शिल्पा शेट्टी एक कार्यक्रम के लिए कोलंबो जा रही थीं, लेकिन बॉम्बे हाईकोर्ट ने उन्हें देश छोड़ने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। शिल्पा शेट्टी के वकीलों ने कोर्ट को बताया कि अभिनेत्री 25 से 29 अक्टूबर तक एक यूट्यूब कार्यक्रम के लिए कोलंबो जा रही हैं। इस पर कोर्ट ने निमंत्रण कार्ड मांगा। इस दौरान शिल्पा शेट्टी के वकीलों ने कहा कि उन्हें केवल फोन पर बात करके निमंत्रण दिया गया था। जिसके बाद बॉम्बे हाईकोर्ट ने इस मांग को तुरंत खारिज कर दिया। धोखाधड़ी के इस मामले में दंपत्ति को विदेश यात्रा की अनुमति लेने से पहले 60 करोड़ रुपये का भुगतान करना होगा। अदालत ने फैसला सुनाया कि मामले की अगली सुनवाई 14 अक्टूबर को होगी। आपको बता दें कि पिछले हफ्ते बॉम्बे हाईकोर्ट ने शिल्पा और राज के थाईलैंड के फुकेत जाने पर रोक लगा दी थी।

राजौरी में मुठभेड़ के बाद गायब हुए 4 आतंकियों को तलाशने में जुटा सुरक्षा बल

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में सुरक्षा बलों के आतंकियों से मुठभेड़ हुई इसके बाद वे अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। मंगलवार की रात दोनों ओर से कई राउंड फायरिंग की गई थी। इसके बाद आतंकी जंगल की ओर भाग गए थे। बीरंथुब में हुए इस एनकाउंटर के बाद से जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना, सीआरपीएफ की जॉइंट टीमें यहां पर सर्च ऑपरेशन चला रही हैं। मंगलवार की पूरी रात चली सर्चिंग के बाद बुधवार सुबह भी सर्च ऑपरेशन जारी है। यहां 4 आतंकियों के छिपे होने की खबर है। सुरक्षाबल राजौरी-कोटरणका-बुधाले सड़क से गुजरने वाले वाहनों की जांच कर रहे हैं। वहीं, आज सुबह से टेरर फंडिंग केस को लेकर स्टेट इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए) श्रीनगर, गांदरबल, वडगाम, अनंतनाग, पुलवामा, शोपियां, कुलगाम, बारामूला, कुपवाड़ा, बांदीपुरा और गांदरबल में छापेमारी कर रही है।

कुलगाम में 2 हुए थे ढेर

इससे पहले पिछले माह सितंबर में सेना ने कश्मीर के कुलगाम में मुठभेड़ के दौरान 2 आतंकियों को मार गिराया था। गुड्डर के जंगलों में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ हुई थी। सेना ने इसे ऑपरेशन गुड्डर नाम दिया था। इस दौरान घायल हुए दो जवान भी शहीद हुए थे। मारे गए एक आतंकी की पहचान शोपियां के रहने वाले आमिर अहमद डार के तौर पर हुई थी। वह लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था और सितंबर 2023 से एक्टिव था। पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों की तरफ से जारी 14 आतंकवादियों की लिस्ट में यह भी शामिल था।

सिंगर जुबीन गर्ग की मौत के मामले में चचेरा भाई डीएसपी संदीपन अरेस्ट

गुवाहाटी (एजेंसी)। सिंगर जुबीन गर्ग की मौत के मामले में असम पुलिस के डीएसपी संदीपन गर्ग को अरेस्ट किया गया है। संदीपन, सिंगर के चचेरे भाई हैं। हादसे के वक्त वे सिंगापुर में साथ थे। अधिकारी ने बताया कि संदीपन से जुबीन की मौत को लेकर पिछले कुछ दिनों से पूछताछ की जा रही है। उनके खिलाफ गैर इरादतन हत्या, आपराधिक षड्यंत्र और लापरवाही से मौत का कारण बनने का केस दर्ज किया है। बात दें कि जुबीन की मौत के मामले में यह पांचवीं गिरफ्तारी है। इससे पहले, नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के मुख्य आयोजक श्यामकानु महंत, गायक के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा और उनके दो बैंड सदस्यों शेखर ज्योति गोस्वामी और अमृत प्रभा महंत को अरेस्ट किया गया था। जुबीन गर्ग का निधन सिंगापुर में 19 सितंबर को हुआ था। सिंगर 20 सितंबर को होने वाले नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के लिए सिंगापुर गए हुए थे, जहां उन्होंने वाटर एडवेंचर कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। दावा किया गया कि उनकी मौत स्कूबा डाइविंग के दौरान एक हादसे में हुई थी।

आंध्र प्रदेश में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट... 6 लोगों की मौत, कई बुरी तरह झुलसे

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के डॉ.बीआर अंबेडकर कोनासीमा जिले के रायवरम में एक पटाखा फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। बुरी तरह झुलस गए शवों की पहचान कर पाना मुश्किल हो रहा है। कई लोग घायल हैं। प्रशासन के अनुसार मृतकों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है। पुलिस अधिकारी राहुल मीणा ने बताया कि हादसे में मारे गए लोगों के शव बुरी तरह झुलसे हैं। मृतक पटाखा फैक्ट्री के मजदूर हो सकते हैं। शवों की पहचान की जा रही है। पटाखा फैक्ट्री के पास मैन्युफैक्चरिंग का लाइसेंस था। लोकल रिपोर्ट्स में पटाखा बनाने के दौरान शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका की खबरें हैं। घटना के कई वीडियो सामने आए हैं। एक वीडियो में पूरी फैक्ट्री आग की लपटों से घिरी दिखी। एक अन्य वीडियो में एक व्यक्ति का शव पूरी तरह झुलसा दिख रहा है। वहीं घटना पर सीएम चंद्रबाबू नायडू ने अधिकारियों को घटनास्थल पर जाने के निर्देश दिए हैं। सीएम नायडू ने पोस्ट कर लिखा कि इस दुर्घटना में कई लोगों की जान जाने की खबर से गहरा दुख हुआ है। मैंने अधिकारियों से दुर्घटना के कारणों, वर्तमान स्थिति, राहत कार्यों और चिकित्सा सहायता के बारे में बात की है।

राजस्थान में कई दवाओं के सैंपल जांच में फेल... लेकिन रिपोर्ट आने तक बिक गई हजारों दवाए

जयपुर (एजेंसी)। कफ सिरप से बच्चों के मौत का मामला अभी सुर्खियों में है। लेकिन इसी बीच लोगों की सेहत से जुड़ी एक और बड़ी लापरवाही सामने आई है। सिर्फ राजस्थान में एक साल के अंदर कई बड़ी बीमारियों की दवाओं के सैंपल फेल हुए है। लेकिन उससे पहले ही दवाओं की हजारों गोलियां बेची जा चुकी हैं। जिन दवाओं के सैंपल फेल हैं, उसमें एंटी बायोटिक से लेकर कार्डियक अरेस्ट जैसे गंभीर बीमारियों की टैबलेट शामिल हैं। वहीं, सैंपल में कई दवाओं से साल्ट भी गायब मिले। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि दवा नियंत्रण क़ानून में कई ख़ामियां हैं। इसका फ़ायदा उठाकर आम लोगों के जीवन से खेलने का ये कारोबार बेधड़क जारी है। दवाइयों के सैंपल फेल होने का मामला राजस्थान के औषधि नियंत्रण विभाग की जांच में सामने आया। औषधि नियंत्रण विभाग ये लापरवाही सामने आई की लेबोरेटरी में जांच हो रही है और नतीजे भी आ रहे हैं लेकिन कार्रवाई के नाम पर कुछ नहीं हो रहा है। राजस्थान ड्रग कंट्रोलर विभाग के अनुसार सैकड़ों दवाओं के सैंपल फेल हुए हैं। जांच में इमोक्सीसिलन, क्लेवूलेनिक एसिड टैबलेट, सिफ्रोफ्लोक्सासिन, सेफपोडॉक्सिन, सेफट्राइजोन इंजेक्शन के 6 बैच फेल मिले। जांच से पहले मेडिरिच लिमिटेड की 1 लाख से अधिक दवाइयां बिक चुकी थीं।

स्टेराइड: बीटामेथॉसॉन के 3 बैच फेल मिले। रिपोर्ट आई तब तक मेडिवेल बायोटिक की 30 हजार दवा बिक चुकी थी।

लिवोसिट्रोजिन, मोंटेलुकास्ट के 4 बैच सैंपल में फेल निकले। लेकिन रिपोर्ट आने तक थेराविन फार्माल्यूसेशन की 35 हजार दवाएं बिक चुकी थीं।

ममता बनर्जी ने गृह मंत्री पर साधा निशाना और बोलीं- एक्टिंग पीएम की तरह काम कर रहे शाह, बन जाएंगे एक दिन मीर जाफर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि शाह ऐसे व्यवहार कर रहे हैं जैसे वे देश के 'एक्टिंग प्रधानमंत्री' हों, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सब कुछ जानते हुए भी चुप हैं।

दरअसल सीएम ममता बनर्जी मीडिया से बातचीत कर रहीं थी, इसी दौरान उन्होंने कहा, कि अमित शाह गृह मंत्री हैं, लेकिन हर काम ऐसे करते हैं जैसे वही प्रधानमंत्री हों। प्रधानमंत्री सब कुछ जानते हैं, पर कुछ नहीं बोलते। मेरा पीएम से अनुरोध है कि उन पर आंख मूंदकर भरोसा न करें, क्योंकि एक दिन वही मीर जाफर की तरह आपके खिलाफ खड़े हो जाएंगे। इसी के साथ मुख्यमंत्री ममता ने आगे कहते हुए आरोप लगाया कि भाजपा नेता राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को नष्ट करने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के शीर्ष नेता बंगाल में मतदाता सूची से एक लाख नाम हटाने की बात कर रहे हैं, जो लोकतंत्र पर हमला है। सीएम ममता बनर्जी ने सवाल करते हुए कहा, उनका नेता बंगाल आता है और कहता है कि हम एक लाख वोटरों के नाम काट देंगे। क्या यह लोकतंत्र है? क्या चुनाव आयोग भाजपा की शाखा है या जनता के अधिकारों की रक्षा करने वाला आयोग? बंगाल सीएम ने स्पेशल समरी रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि राज्य में भारी बारिश, बाढ़ जैसी स्थिति और त्योहारों के बीच यह प्रक्रिया कराना लोकतंत्र का मजाक है। उन्होंने कहा, त्योहार के वक्त लोगों को घर छोड़कर बूथों पर कतार में लगने के लिए कैसे कहा जा सकता है? यह जनता की मुश्किलों को नजरअंदाज करने जैसा है। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि इन सभी कदमों के पीछे अमित शाह की सीधी भूमिका है और केंद्र सरकार, चुनाव आयोग तथा भाजपा 'एक ही टीम' बनकर काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल की जनता लोकतंत्र की रक्षा के लिए तैयार है और 'किसी भी तानाशाही रवैये' के खिलाफ लड़ाई जारी रखेगी।

शिवसेना पार्टी के चुनाव चिन्ह को लेकर 12 नवंबर को सुनवाई करेगी सुप्रीम कोर्ट

उद्धव ठाकरे ने भारतीय चुनाव आयोग के फैसले को दी है चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना पार्टी के चुनाव चिन्ह विवाद मामले को लेकर उद्धव ठाकरे की ओर से दायर याचिका पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए 12 नवंबर की तारीख तय की है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भारतीय चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती दी है, जिसमें एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले धड़े को पार्टी का नाम 'शिवसेना' और उसका चुनाव चिन्ह 'धनुष-बाण' आवंटित किया था।

उद्धव ठाकरे का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने दलील दी कि महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव जनवरी 2026 में होना है, इसलिए इस मामले पर तत्काल विचार करने की जरूरत है, जिसके बाद न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने मामले की सुनवाई अगले महीने तय करने पर सहमति जताई।

कोर्ट ने कहा कि हम 12 नवंबर को सभी पक्षों की सुनवाई करेंगे और अगर जरूरत पड़ी तो हम 13 नवंबर को भी सुनवाई जारी रखेंगे। कपिल सिब्बल ने शिवसेना (यूबीटी) गुट की तरफ से दायर एक अन्य याचिका पर भी तत्काल सुनवाई की मांग की। इस याचिका में महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष के उस फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसमें तत्कालीन सीएम एकनाथ शिंदे समेत सत्तारूढ़ खेमे के 16 विधायकों को अयोग्य ठहराने से इनकार कर दिया था।

इस पर न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने टिप्पणी की कि कपिल सिब्बल को संयुक्त सुनवाई के लिए भारत के सीजेआई की अनुमति लेनी चाहिए, क्योंकि दूसरी याचिका एक अलग बेंच के सामने लंबित है। बुधवार की सुनवाई से पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि यह फैसले पर निर्भर करता है कि इस देश को किस ओर लेकर जाना है। उन्होंने कहा कि यहां लोकतंत्र जिंदा रहना चाहिए और मजबूत होना चाहिए। हम यही अपेक्षा करते हैं कि न्यायालय का फैसला न्यायसंगत होगा और संविधान पर आधारित होगा। वडेट्टीवार ने कहा कि यह जनता को यह दिखाने का सुनहरा अवसर है कि देश संविधान और कानून के शासन से चलता है।

बता दें मार्च 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने एकनाथ शिंदे गुट को आधिकारिक शिवसेना के रूप में मान्यता देने और उसे पार्टी का नाम व चुनाव चिन्ह देने के चुनाव आयोग के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। हालांकि वह इस फैसले को चुनौती देने वाली उद्धव ठाकरे की याचिका पर विचार करने के लिए सहमत हो गई है। अब सुनवाई 12 नवंबर को होगी।

10वीं फेल मिस्टर खड़गे, फिर भी भारत के कर्ज पर दे रहे हैं लेक्चर?

-बीजेपी नेता ने कर्नाटक सरकार में मंत्री की शिक्षा पर उठाए सवाल

नई दिल्ली(एजेंसी)। बीजेपी नेता विष्णु वर्धन रेड्डी ने कांग्रेस नेता और कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक खड़गे की शिक्षा पर सवाल उठाए हैं। विष्णु वर्धन ने एक्स पर एक पोस्ट कर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे को दसवीं फेल बताया। उन्होंने कहा कि 10वीं फेल मिस्टर खड़गे, लेकिन फिर भी भारत के कर्ज पर लेक्चर दे रहे हैं? दरअसल प्रियांक खड़गे ने एक्स पर एक पोस्ट कर कहा कि मोदी सरकार के 'अमृतकाल' में भारत का कर्ज रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। देश का कुल कर्ज अब 181 लाख करोड़ रुपए हो गया है। यह पिछले सात सालों में ढाई गुना से ज्यादा बढ़ा है। वर्धन ने कहा कि वित्त वर्ष 2025 में भारत का बाहरी कर्ज भी 10.1फीसदी बढ़कर 736.3 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह सात सालों में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी है। प्रियांक खड़गे ने आरोप लगाया था कि इसी अवधि में भारतीय बैंकों ने बीते एक दशक में 12.3 लाख करोड़ रुपए के कर्ज माफ कर दिया। प्रियांक ने इसी पोस्ट में यह भी कहा कि इसके बावजूद पीएम मोदी ने बिहार में वोट खरीदने के लिए करदाताओं के 7,500 करोड़ रुपए की राशि बांटी। आर्थिक मोर्चे पर देश कर्ज में डूबता जा रहा है, लेकिन सरकार का प्रचार तंत्र करोड़ों रुपए के विज्ञापनों पर खर्च कर जनता को यह भरोसा दिलाने में जुटा है कि 'सब चंगा है'। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रियांक खड़गे की इस पोस्ट पर बीजेपी नेता विष्णु वर्धन रेड्डी ने उन पर प्रहार करते हुए कहा कि 10वीं फेल मिस्टर खड़गे अब भारत के कर्ज पर ज्ञान दे रहे हैं? आपके ही मंत्रालय पर 5,588.33 करोड़ रुपए का बिजली बिल बकाया है, जबकि कर्नाटक के सरकारी विभागों पर कुल 10,342.13 करोड़ का बकाया है।

सीजेआई पर जूता उछालने के बाद सीनाजोरी, बोला- फिर ऐसा ही करुंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई पर जूता फेंकने वाले वकील राकेश किशोर अब चोरी ऊपर से सीनाजोरी पर उतर आए हैं। उन्हे उनकी हरकत के लिए माफ कर दिया गया है लेकिन वे अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। किशोर ने कहा कि भगवान का आदेश हुआ तो फिर कुछ इसी तरह करुंगा। उन्होंने कहा, परमात्मा ने कहा था, इसलिए किया। मैंने परमात्मा का काम किया। यह मेरा दिव्य कर्तव्य था। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने किए पर कोई पछतावा नहीं है और अगर परमात्मा फिर आदेश देंगे तो वे दोबारा ऐसा करेंगे।

किशोर ने बताया कि खजुराहो के जावरी मंदिर में भगवान विष्णु की मूर्ति को पुनर्स्थापित करने की याचिका खारिज करते समय सीजेआई गवई की टिप्पणी से वे बेहद आहत हुए और इसी कारण उन्होंने ऐसा कदम उठाया। इस घटना के विरोध में मंगलवार को मयूर विहार स्थित किशोर के रिवरव्यू अपार्टमेंट के बाहर जमकर प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शनकारी जूते की मालाएं, डॉ भीमराव अंबेडकर की तस्वीरें और संविधान की प्रतियां लेकर पहुंचे थे। उन्होंने नारे लगाए, 'सीजेआई का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान। इस घटना के विरोध में आम आदमी पार्टी के नेता और पूर्व विधायक सौरभ भारद्वाज भी प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि यह मामला सिर्फ जूता फेंकने का नहीं है बल्कि संविधान पर हमला है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर सीजेआई के खिलाफ जातिवादी टिप्पणियां और धमकियां फैलाई जा रही हैं, जिन्हें सरकार को हटाना चाहिए।

प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि पुलिस इस मामले में स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई करे, चाहे औपचारिक शिकायत दर्ज हुई हो या नहीं। देशभर में इस घटना की कड़ी निंदा हो रही है। इस घटना के मद्देनजर सोसाइटी के बाहर भारी पुलिस बल की तैनाती की गई और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बैरिकेड लगाए गए। रिपोर्ट के मुताबिक, राकेश किशोर के पड़ोसियों ने बताया कि उनके खिलाफ पहले भी हिंसक व्यवहार की शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं। 70 वर्षीय पुरुषोत्तम ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने हंगामा किया। 2021 में भी उन्होंने एक बुजुर्ग के साथ हाथापाई की थी।

पुलिस को दी गई एक पुरानी शिकायत में निवासियों ने आरोप लगाया था कि किशोर ने करीब एक साल तक उन्हें डराया-धमकाया और सोसाइटी के वॉट्सऐप ग्रुप में जातिवादी और धार्मिक गालियां दीं। एक अन्य निवासी कौशल ने बताया कि किशोर कभी सोसाइटी की रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्य थे। उन्होंने कहा कि कुछ घटनाओं के बारे में सुन रखा था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट में हुई यह घटना बेहद चौंकाने वाली है। सोसाइटी के सुरक्षा गार्डों ने बताया कि किशोर के परिवार ने उन्हें किसी भी विजिटर को घर में न आने देने के निर्देश दिए हैं। परिवार का कहना है कि किशोर की तबीयत ठीक नहीं है और वह मानसिक रूप से भी अस्थिर महसूस कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर में हुई बर्फबारी में फंसे 25 लोगों का किया गया रेस्क्यू

-हिमाचल में लैंडस्लाइड तो बिहार में बाढ़ जैसे हालात

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के अनेक हिस्सों में भारी बारिश के बाद उत्तर भारत के कई राज्यों में मौसम ने अचानक करवट बदल ली है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के ऊंचे इलाकों में लगातार बर्फबारी हो रही है, जबकि बिहार में लौटते मानसून की बारिश ने बाढ़ जैसे हालात पैदा कर दिए हैं। हिमाचल में बर्फबारी के साथ ही भूस्खलन से करीब 15 लोगों की मौत हो गई है।

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में सेना ने बर्फीले तूफान में फंसे बकरवाल समुदाय के 25 आदिवासियों और उनके पालतू जानवरों को रेस्क्यू किया है। बताया जा रहा है कि खराब मौसम के चलते पिछले तीन दिनों से बंद वैष्णो देवी यात्रा बुधवार से फिर शुरू हो गई है। यात्रा शुरू होने के बाद सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए रवाना हुए हैं।

एक अन्य जानकारी अनुसार हिमाचल प्रदेश में तीसरे दिन भी स्नोफॉल जारी है। लाहौल-स्पीति में तापमान -0.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। वहीं, बिलासपुर जिले में एक निजी बस के भूस्खलन की चपेट में आने से करीब 15 लोगों की मौत हो गई।

उत्तराखंड में बद्रीनाथ, केदारनाथ और हेमकुंड साहिब में भी इस सीजन की पहली बर्फबारी दर्ज की गई। हेमकुंड साहिब में दो से तीन इंच तक बर्फ जमी है। केदारनाथ में तापमान 5 डिग्री तक गिर गया है। चारधाम यात्रा के दूसरे चरण में रोजाना पांच हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

नदियां उफान पर बाढ़ के हालात

दूसरी ओर, बिहार में लौटते मानसून और नेपाल में भारी बारिश के कारण कई नदियां उफान पर हैं। राज्य के सुपौल, मधुबनी, सीतामढ़ी, अररिया और किशनगंज जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। सुपौल में 5 हजार से अधिक घरों में पानी भर गया, जबकि मधुबनी जिले में करीब एक लाख लोग प्रभावित हैं। इस बीच, मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ने लगी है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में दिन और रात के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। कई शहरों में न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों तक पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में ठंडी हवाओं के चलते तापमान में और गिरावट की संभावना जताई है।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से मांगा सूची से बाहर किए गए 3.66 लाख मतदाताओं का विवरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में एसआईआर के तहत 3.66 लाख मतदाताओं को सूची से बाहर कर दिया गया है। अब सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से इन मतदाताओं के विवरण मांगे हैं। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग बाहर किए गए मतदाताओं के बारे में उपलब्ध सभी जानकारी बृहस्पतिवार यानी नौ अक्टूबर तक अदालत के रिकॉर्ड पर लाये, जब वह एसआईआर प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर आगे की सुनवाई करेगी।

शीर्ष अदालत ने कहा कि सभी के पास मतदाता सूची का मसौदा है और अंतिम सूची भी 30 सितंबर को प्रकाशित हो चुकी है, इसलिए तुलनात्मक विश्लेषण के माध्यम से आवश्यक आंकड़े प्रस्तुत किए जा सकते हैं। जस्टिस बागची ने चुनाव आयोग का पक्ष रखने के लिए पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी से कहा कि अदालती आदेशों के परिणामस्वरूप चुनावी प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता और पहुंच बढ़ी है। पीठ ने कहा कि चूंकि अंतिम सूची में मतदाताओं की संख्या से ऐसा प्रतीत होता है कि मसौदा सूची की संख्या में वृद्धि की गई है, इसलिए किसी भी भ्रम से बचने के लिए अतिरिक्त मतदाताओं की पहचान का खुलासा किया जाना चाहिए।

जस्टिस बागची ने कहा कि आप हमसे सहमत होंगे कि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और पहुंच में सुधार हुआ है। आंकड़ों से पता चलता है कि आपके द्वारा प्रकाशित मसौदा सूची में 65 लाख लोगों के नाम हटाए गए थे और हमने कहा कि जिनकी मृत्यु हो गई या जो स्थानांतरित हो गया है वह ठीक है, लेकिन यदि आप किसी को हटा रहे हैं तो कृपया नियम 21 और एसओपी (मानक परिचालन प्रक्रिया) का पालन करें। उन्होंने कहा, हमने यह भी कहा कि जिनके भी नाम हटाए गए हैं, कृपया उनके आंकड़े अपने निर्वाचन कार्यालयों में जमा कराएं। अब अंतिम सूची आंकड़ों में वृद्धि प्रतीत होती है और सामान्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भ्रम की स्थिति है - जोड़े गए नामों की पहचान क्या है, क्या वे हटाए गए नाम हैं या नए नाम हैं। द्विवेदी ने जवाब दिया कि अधिकतर नाम नए मतदाताओं के हैं और कुछ पुराने मतदाता भी हैं, जिनके नाम मसौदा सूची प्रकाशित होने के बाद जोड़े गए हैं। उन्होंने कहा कि अब तक किसी ऐसे किसी मतदाता ने शिकायत या अपील नहीं की है जिसका नाम हटाया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प ने अमेरिका में आने वाले ट्रकों पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने की घोषणा की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को मीडियम और हैवी ट्रकों पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने की घोषणा की है। ये 1 नवंबर से लागू होगा। पहले यह शुल्क 1 अक्टूबर से लागू होने वाला था, लेकिन अब इसे एक महीने टाल दिया गया है। ट्रम्प ने अपने ट्रुथ सोशल अकाउंट पर लिखा, 1 नवंबर 2025 से, दूसरे देशों से अमेरिका आने वाले सभी मध्यम और भारी वाहन ट्रकों पर 25% शुल्क लगेगा। अमेरिका में ज्यादातर ट्रक पड़ोसी देश कनाडा और मेक्सिको से आते हैं, जहां पहले से ही व्यापार समझौता है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग के अनुसार, पिछले साल अमेरिका ने 2 लाख 45 हजार 764 मध्यम और भारी वाहन ट्रक खरीदे, जिनमें से अधिकांश कनाडा और मेक्सिको से आए। इनकी कुल कीमत 201 अरब डॉलर रही, जिसमें कनाडा से 45 अरब और मेक्सिको से 156 अरब डॉलर का योगदान था। अमेरिकी ऑटोमोबाइल बाजार में ये ट्रक कुल वाहनों के सिर्फ 5% हिस्से के हैं। लेकिन एसएंडपी ग्लोबल की रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तरी अमेरिका में इनकी मांग का लगभग 80% अमेरिका ही पूरा करता है। इन ट्रकों को वजन के आधार पर बांटा जाता है। मध्यम ट्रक का वजन 14,000 से 33,000 पाउंड के बीच होता है, जबकि 33,000 पाउंड से ज्यादा वजन वाले को भारी ट्रक कहा जाता है। अमेरिका में ये मुख्य रूप से लॉजिस्टिक्स (माल ढुलाई), निर्माण कार्य और कचरा प्रबंधन के लिए इस्तेमाल होते हैं।

सीडीएस ने सभी के लिए कोविड-19 टीके की सिफारिश बंद की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी स्वास्थ्य विभाग की शीर्ष इकाई- सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (सीडीसी) ने अब कोविड-19 वैक्सीन को लेकर अपनी सिफारिशें बदल दी हैं। सीडीसी ने कहा कि अब किसी भी आयु वर्ग के शख्स के लिए टीका अनिवार्य नहीं है। सीडीसी अब सभी लोगों को टीके लगवाने की सिफारिश नहीं कर रही है। यह फैसला स्वास्थ्य सचिव रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर की तरफ से नियुक्त नए सलाहकार समूह की सिफारिशों के आधार पर लिया गया है। इससे पहले 6 महीने और उससे अधिक उम्र के लोगों के लिए वार्षिक बूस्टर डोज़ की सिफारिश की जाती थी, लेकिन अब यह निर्णय मरीजों के विवेक पर छोड़ दिया गया है। कैनेडी ने मई में स्वस्थ बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए वैक्सीन की सिफारिश हटाने की घोषणा की थी। उन्होंने सीडीसी की पारंपरिक सलाहकार समिति को हटाकर नया समूह बनाया। नए समूह में पिछले महीने हुए मतदान के बाद यह निर्णय लिया गया कि सभी अमेरिकी टीके को लेकर स्वयं निर्णय लें। सीडीसी ने यह भी कहा है कि बुजुर्गों को डॉक्टर या फार्मासिस्ट से सलाह जरूर लेनी चाहिए। इसके अलावा, सीडीसी ने चिकनपॉक्स (वरिसेला) की पहली खुराक को अलग से देने की सिफारिश की है। सीडीसी का कहना है कि संयुक्त टीके से बुखार और दौरे का खतरा अधिक होता है।

यूनेस्को ने मिस्र के व्यक्ति को नया निदेशक बनाया, अमेरिका के हटने के बाद बदलाव

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र संघ की इकाई- यूनेस्को को पहली बार अरब देशों से जुड़ा महानिदेशक मिल सकता है। मिस्र के पूर्व पर्यटन और पुरावशेष मंत्री खालिद एल-अनानी को एजेंसी के कार्यकारी बोर्ड ने निदेशक पद के लिए नामित किया है। अगले महीने उज्बेकिस्तान में यूनेस्को की महासभा होने वाली है। यदि इसमें खालिद एल-अनानी के निदेशक बनने की पुष्टि हो जाती है, तो वे एजेंसी की कमान संभालेंगे। हाल ही में अमेरिका के यूनेस्को से बाहर होने के फैसले के बाद यह बदलाव हो रहा है। ये संस्था बजट संकट का सामना भी कर रही है। नॉमिनेशन के समय एल-अनानी ने कांगो के अर्थशास्त्री फिर्मिन एडुआर्ड मातोको को पीछे छोड़ा। मातोको शरणार्थी शिविरों में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए जाने जाते हैं। बता दें कि यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों की सुरक्षा के अलावा, लड़कियों की शिक्षा, होलोकॉस्ट (यहूदियों के नरसंहार) को लेकर जागरूकता और विकासशील देशों में वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देने जैसे अहम कार्यों के लिए जाना जाता है।

हिजबुल्लाह कब छोड़ेगा हथियार? निरस्त्रीकरण के सवाल पर लेबनानी सेना प्रमुख ने सरकार को दी जानकारी

बेरूत, एजेंसी। लेबनान के सेना प्रमुख जनरल रूडोल्फ हैकाल ने पहली बार सरकार को ये जानकारी दी है कि हिजबुल्लाह हथियार कब छोड़ेगा। निरस्त्रीकरण की योजना एक महीने पहले कैबिनेट में चर्चा के बाद सामने आई थी। इसमें सभी हथियारों को सरकार के नियंत्रण में लाने की बात कही गई थी। हालांकि, इस योजना का विवरण गोपनीय रखा गया है। खबरों के मुताबिक हिजबुल्लाह ने इस योजना को खारिज कर दिया है।

टेक्सास में गैस स्टेशन पर भारतीय छात्र की हत्या करने वाला गिरफ्तार

ह्यूस्टन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास राज्य में 23 वर्षीय एक युवक को भारतीय छात्र चंद्रशेखर पोल की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह घटना शुक्रवार रात फोर्ट वर्थ शहर के एक गैस स्टेशन पर हुई, आरोपी की पहचान रिचर्ड फ्लोरेज नॉर्थ रिचलैंड हिल्स के निवासी रूप में हुई है।

आरोपी ने दूसरी जगह पर भी चलाई गोलियां : इसके कुछ ही समय बाद, आरोपी ने करीब एक मील दूर एक अन्य वाहन पर भी गोलियां चलाईं, लेकिन वहां कोई घायल नहीं हुआ। बाद में उसने पास के एक घर में घुसने की कोशिश करते हुए अपनी कार गेट से टकरा दी। पुलिस ने उसे वहीं गिरफ्तार कर लिया। फोर्ट वर्थ पुलिस प्रवक्ता ऑफिसर ब्रैड पेरेज ने बताया कि पुलिस ने आरोपी की गाड़ी से एक बंदूक बरामद की है। आरोपी वर्तमान में अस्पताल में भर्ती है, लेकिन उसके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है।

स्थानीय प्रशासन ने बताया कि फोर्ट वर्थ और टैरेंट काउंटी की ओर से इस मामले में औपचारिक बयान और आगे की जांच रिपोर्ट सरकारी शटडाउन के कारण कुछ देर से जारी की जाएगी। फिलहाल जांच जारी है और हत्या के पीछे का मकसद स्पष्ट नहीं हुआ है।

वारदात से परिवार और समुदाय में शोक : भारतीय छात्र की हत्या के मामले में ह्यूस्टन स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने कहा है कि वे चंद्रशेखर के परिवार से संपर्क में हैं और उनके पार्थिव शरीर को भारत भेजने की प्रक्रिया में सहायता कर रहे हैं। वहीं स्थानीय भारतीय-अमेरिकी समुदाय और विदेशी छात्र इस घटना से बेहद दुखी और भयभीत हैं। उनका कहना है कि हाल के महीनों में भारतीय छात्रों पर बढ़ते हमलों और रहस्यमय मौतों ने सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। चंद्रशेखर पोल के परिवार और मित्रों की मदद के लिए एक गोफंडमी अभियान शुरू किया गया है, जिससे उनके पार्थिव शरीर को भारत लाने और परिवार को आर्थिक सहयोग देने का प्रयास किया जा रहा है। चंद्रशेखर पोल तेलंगाना के हैदराबाद के रहने वाले थे। उन्होंने बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी (बीडीएस) की पढ़ाई भारत में पूरी की थी और दो साल पहले अमेरिका गए थे ताकि वे डेटा एनालिटिक्स में मास्टर डिग्री कर सकें। वे नॉर्थ टेक्सास यूनिवर्सिटी, डेंटन से छह महीने पहले ही एमएस पूरा कर चुके थे और नौकरी की तलाश में थे। उनके भाई दामोदर पोल ने बताया कि वह आत्मनिर्भर बने रहने के लिए पार्ट-टाइम गैस स्टेशन में काम कर रहे थे।

अमेरिका में बढ़ती घटनाएं, गहराता डर अमेरिका में इस तरह ये कोई पहली घटना नहीं है। इसी साल जनवरी 2025 में, कनेक्टिकट में तेलंगाना के 26 वर्षीय छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वहीं रंगारेड्डी जिले के एक युवक को भी अमेरिका में संदिग्ध हालत में मृत पाया गया था। सितंबर 2025 में, महबूबनगर जिले के एक 30 वर्षीय व्यक्ति को कैलिफोर्निया में पुलिस ने गोली मार दी थी, जब उसका अपने रूममेट से झगड़ा हुआ था। इन मामलों के बाद, भारतीय दूतावासों को बार-बार छात्रों और उनके परिवारों की सहायता के लिए हस्तक्षेप करना पड़ा है। शवों को भारत लाने में कई बार हफ्तों लग जाते हैं, क्योंकि प्रक्रिया में कानूनी और प्रशासनिक जटिलताएं शामिल होती हैं। अंतरराष्ट्रीय छात्रों की सुरक्षा पर सवाल इस वारदात के बाद फिर से विदेशों में भारतीय छात्रों की सुरक्षा पर सवाल खड़ा हो गया है, देर रात या असुरक्षित इलाकों में काम करना कई बार उन्हें खतरे में डाल देता है। भारतीय समुदाय के लोग अब यह मांग कर रहे हैं कि विश्वविद्यालय और स्थानीय प्रशासन ऐसे छात्रों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय करें और देर रात काम करने वालों को सुरक्षित विकल्प उपलब्ध कराएं।

ब्रिटेन की प्रसिद्ध उपन्यासकार जिली का 88 की उम्र में निधन

लंदन, एजेंसी। राइवल्स और राइडर्स जैसे सनसनीखेज उपन्यासों के लिए मशहूर, बेस्टसेलिंग ब्रिटिश लेखिका जिली कूपर का निधन हो गया है। वह 88 वर्ष की थीं। कूपर के परिवार ने एक बयान में कहा कि उनका अचानक दुनिया से जाना परिवार के लिए बड़ा सदमा है। लेखिका की एजेंट फेलिसिटी ब्लंट ने कहा, मेरा सौभाग्य है कि मैंने एक ऐसी महिला के साथ काम किया, जिन्होंने 50 साल पहले अपनी पहली रचना के प्रकाशन के बाद से ही संस्कृति, लेखन और संवाद को परिभाषित किया।

एवरेस्ट पर बर्फीले तूफान से एक की मौत, 137 बचाए गए : ल्हासा, एजेंसी। माउंट एवरेस्ट की तिब्बती ढलानों पर बर्फीले तूफान में फंसे एक पर्वतारोही की मौत हो गई, जबकि 137 अन्य बचा लिए गए हैं। लापता पर्वतारोहियों की तलाश जारी है। किंघई प्रांत में बर्फबारी में फंसे सभी पर्वतारोही स्थिर हालत में हैं। 4,000 मीटर की औसत ऊंचाई पर लाओहुगो क्षेत्र में बर्फबारी जारी है। पर्वतारोहियों की खोज के लिए 300 से ज्यादा खोजी कर्मी, घोड़े और दो मध्यम आकार के ड्रोनों का इस्तेमाल करने वाली 10 से ज्यादा टीमें तैनात हैं। इससे पहले, सरकारी सीसीटीवी ने बताया था कि 350 लोगों को बचा लिया गया है, जबकि 200 अभी भी लापता हैं।

नेपाल सेना ने लांगटांग से 12 को बचाया, दो दिन में 52 की मौत : काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सेना ने सोमवार को लगातार बारिश-भूस्खलन के बीच लांगटांग क्षेत्र में फंसे 12 ट्रेकर्स को बचाया। सभी 12 लोगों को रसुवा के स्याफ्रुबेसी लाया गया। हालांकि, बेरिंग खोला नदी में बहे 4 लोगों का पता नहीं चला है। 16 लोगों का यह समूह काठमांडो से लांगटांग राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र की यात्रा पर निकला था। शनिवार को लगातार बारिश के बाद एक नाले में बह जाने के बाद, दो महिलाओं सहित चार लोग लापता हो गए।

सैन्य काफिले पर सशस्त्र हमले में 4 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए : वाशुक, एजेंसी। बलूचिस्तान के वाशुक जिले में एक सैन्य काफिले पर हुए सशस्त्र हमले में चार पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और एक अधिकारी समेत दो अन्य घायल हो गए। यह हमला बसिमा के पथक इलाके में हुआ जब तीन सैन्य वाहनों के काफिले पर अज्ञात आतंकियों ने गोलीबारी की। हमलावरों ने स्वचालित और भारी हथियारों का इस्तेमाल किया एवं क्षेत्र में लंबे समय तक गोलीबारी और विस्फोट होते रहे। बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी अधिकारियों ने एक सैनिक की मौत और एक अधिकारी के घायल होने की पुष्टि की है।

ब्राजील के राष्ट्रपति सिल्वा के बदले सुर, टैरिफ कम करने के लिए 30 मिनट तक ट्रंप से की बातचीत

ब्रासीलिया, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति दुनियाभर के कई देशों पर भारी पड़ रहा है। इसमें भारत, ब्रजील जैसे देशों का नाम भी शामिल है। इसी बीच ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से ब्राजीलियाई वस्तुओं पर 40 प्रतिशत टैरिफ और स्थानीय अधिकारियों के विरुद्ध अमेरिका की ओर से लगाए गए प्रतिबंधात्मक उपायों को हटाने का अनुरोध किया है। दोनों नेताओं ने इस मामले में कुल 30 मिनट तक फोन पर आपस में बातचीत की।

मामले में ब्रजील सरकार की ओर से जारी बयान में दोनों नेताओं के फोन पर बातचीत की पुष्टि की गई है। साथ ही बयान में ये भी बताया गया कि ब्रजील के राष्ट्रपति सिल्वा और डोनाल्ड ट्रंप दोनों ने जल्द व्यक्तिगत रूप से मिलने पर सहमति जताई। बातचीत का लहजा दोस्ताना था।

ट्रंप का बातचीत पर सहारात्मक रुख

इस दौरान ट्रंप ने कहा कि लूला के साथ उनकी बहुत अच्छी बातचीत रही। दोनों ने मुख्य रूप से अर्थव्यवस्था और व्यापार पर चर्चा की। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, हम आगे भी चर्चा करेंगे और निकट भविष्य में ब्राजील और अमेरिका में मिलेंगे।

मामले में ब्राजील सरकार के अनुसार, लूला ने मलेशिया में आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान बैठक का सुझाव दिया और संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा करने की इच्छा जताई। ब्राजील के वित्त मंत्री फर्नांडो हद्दाद ने बैठक के बाद ब्रासीलिया में कहा कि बातचीत सकारात्मक रही। इसमें उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन और विदेश मंत्री मौरो विएरा ने भी भाग लिया। बता दें कि शुरुआत में ब्राजील पर न्यूनतम 10% टैरिफ लगाया गया था, लेकिन बाद में ट्रंप ने कई प्रमुख निर्यातों पर इसे बढ़ाकर 40% कर दिया, जिससे कुल टैरिफ 50% हो गया।

मैंने जो कहा, वह बहुत असरदार था, वे रुक गए, ट्रंप ने फिर किया भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने का दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच मई में चले संघर्ष को रुकवाने का दावा किया है। इतना ही नहीं ट्रंप एक बार फिर से टैरिफ को हथियार बताने से भी नहीं चूके। उन्होंने सोमवार को कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया संघर्ष को रोकने में टैरिफ (आयात शुल्क) का इस्तेमाल एक हथियार के रूप में किया। जो उन्होंने कहा था, वह बहुत असरदार साबित हुआ।

ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा, ÷टैरिफ अमेरिका के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। हम टैरिफ की वजह से शांति-रक्षक हैं। हम सैकड़ों अरब डॉलर कमाते हैं, लेकिन साथ ही टैरिफ के कारण हम युद्ध रोकने की ताकत भी रखते हैं।÷ उन्होंने दावा किया कि अगर उन्होंने टैरिफ की ताकत का इस्तेमाल न किया होता, तो आज भी चार युद्ध चल रहे होते।

ट्रंप ने कहा, ÷मैं युद्ध रोकने के लिए टैरिफ का इस्तेमाल करता हूं। अगर आप भारत और पाकिस्तान को देखें, तो वे एक-दूसरे पर हमला करने के लिए तैयार थे। सात विमान गिराए गए थे। वे लड़ाई के लिए तैयार थे। दोनों ही परमाणु शक्ति से संपन्न देश हैं। मैं इसका जिक्र नहीं करना चाहता कि मैंने क्या कहा था, लेकिन जो मैंने कहा वह बहुत प्रभावी था। वे रुक भी गए। यह टैरिफ और व्यापार पर आधारित था।

भारत करता रहा है तीसरे पक्ष के दखल से इनकार गौरतलब है कि भारत ने पहलगाम हमले के साजिशकर्ताओं को सबक सिखाने के लिए 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। इसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ढांचों को निशाना बनाया गया था। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले के जवाब में की गई थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे।

चार दिन तक चले हमलों के बाद 10 मई को भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम का समझौता हुआ था। तब ट्रंप ने एक पोस्ट के जरिए संघर्ष रुकवाने का श्रेय लेने की कोशिश की थी। हालांकि, भारत ने स्पष्ट किया है कि यह समझौता दोनों सेनाओं के डीजीएमओ (डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस) के बीच प्रत्यक्ष बातचीत से हुआ था। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में कहा था कि किसी भी देश के नेता ने भारत से ऑपरेशन सिंदूर रोकने के लिए नहीं कहा। ट्रंप लगातार करते रहे हैं सात युद्ध रुकवाने का दावा उधर ट्रंप ने लगातार दावा किया कि उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल में अब तक सात युद्ध खत्म करवाए हैं। इनमें भारत-पाकिस्तान, कंबोडिया-थाईलैंड, कोसोवो-सर्बिया, कॉन्गो-रवांडा, इस्राइल-ईरान, मिस्र-इथियोपिया और आर्मेनिया-अजरबैजान के बीच संघर्ष शामिल हैं। ट्रंप कहते रहे हैं कि इनमें से कम से कम आधे युद्ध मेरे व्यापारिक कौशल और टैरिफ की ताकत से खत्म हुए। अगर मेरे पास टैरिफ न होते, तो आज भी चार युद्ध चल रहे होते और रोज हजारों लोग मारे जा रहे होते।

कनाडा के प्रधानमंत्री और फिनलैंड के राष्ट्रपति से मिलेंगे ट्रंप; जापान की भावी पीएम ताकाइची को दी बधाई

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस हफ्ते दो बड़े अंतरराष्ट्रीय नेताओं से मुलाकात करने वाले हैं। इसमें कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और फिनलैंड के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर स्टब शामिल हैं। इसके साथ ही उन्होंने जापान की भावी प्रधानमंत्री साने ताकाइची को उनकी जीत पर बधाई दी है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने सोमवार को बताया कि ट्रंप मंगलवार को कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से व्हाइट हाउस में औपचारिक बैठक करेंगे। इसके बाद गुरुवार को वे अपने आठवें कैबिनेट की बैठक करेंगे और उसी दिन दोपहर को उनकी फिनलैंड के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर स्टब से भी मुलाकात होगी। लेविट ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का कल व्हाइट हाउस में स्वागत करेंगे। गुरुवार को वे अपने कैबिनेट की बैठक करेंगे, और फिर फिनलैंड के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर स्टब के साथ बैठक करेंगे।

कनाडा बिकाऊ नहीं÷ कार्नी का ट्रंप को जवाब : बता दें कि कुछ महीने पहले मई में जब ट्रंप और कार्नी की मुलाकात हुई थी, तब दोनों के बीच थोड़ा तीखा संवाद हुआ था। इस दौरान ट्रंप ने मजाकिया लहजे में कहा था कि कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बन जाना चाहिए। इस पर कनाडाई पीएम मार्क कार्नी ने सीधा जवाब दिया, रियल एस्टेट की तरह कुछ जगहें बिकाऊ नहीं होतीं। कनाडा भी बिकाऊ नहीं है, और कभी नहीं होगा। इस पर भी ट्रंप ने अपनी बात से पीछे नहीं हटते हुए कहा, समय बताएगा। मैं कभी नहीं पर विश्वास नहीं करता। कई बार जो चीजें नामुमकिन लगती हैं, वे दोस्ताना तरीके से मुमकिन हो जाती हैं।

जापान की नई महिला प्रधानमंत्री को दी बधाई : उन्होंने बताया कि ट्रंप ने जापान की नई नेता साने ताकाइची को भी बधाई दी है। लेविट ने बताया कि, राष्ट्रपति ट्रंप ने मुझे कहा है कि मैं जापान को बधाई देता हूं, जिन्होंने अपनी अगली प्रधानमंत्री का चुनाव किया है। वह एक बेहद सम्मानित और समझदार नेता हैं, जो हमारे महान सहयोगी देश जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने जा रही हैं।

जापान में इतिहास रचने जा रहीं साने ताकाइची : ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में जापान की भावी प्रधानमंत्री साने ताकाइची को बुद्धिमान और दृढ़ इच्छाशक्ति वाली महिला बताया। उन्होंने कहा कि वे जापान के अद्भुत लोगों को भी बधाई देते हैं। बता दें कि सत्तारूढ़ पार्टी की तरफ से ताकाइची के चुने जाने के बाद वे जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने जा रही हैं, जो देश के राजनीतिक इतिहास में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

राष्ट्रपति ट्रंप को पुतिन की चेतावनी, यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलें देने से हमारे संबंध खराब होंगे

मास्को, एजेंसी। रूस ने अमेरिका को चेतावनी दी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को आगाह करने के अंदाज में उनके रूसी समकक्ष पुतिन ने साफ किया है कि अगर अमेरिका ने यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलें दीं तो द्विपक्षीय संबंध खराब होंगे। पुतिन ने कहा, यूक्रेनी सेना इन मिसाइलों को खुद नहीं चला पाएगी। उन्होंने अमेरिकी सैन्यकर्मियों पर मदद करने का दावा करते हुए गंभीर आरोप भी लगाए। वैश्विक ताकतों के टकराव और लंबे समय से जारी संघर्षों के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन को लंबी दूरी की टॉमहॉक मिसाइलों की आपूर्ति की तो वाशिंगटन और मॉस्को के बीच संबंधों खराब हो जाएंगे।

एक मिसाइल की कीमत 11.44 करोड़ रुपये : सितंबर के अंत में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा था कि व्हाइट हाउस कीव को टॉमहॉक मिसाइलें देने पर विचार कर रहा। एक मिसाइल की कीमत 11.44 करोड़ रुपये है। इनकी मारक क्षमता 2,500 किलोमीटर है, जिससे ये मिसाइलें मॉस्को और उसके बाहर भी हमला कर सकेंगी।

अमेरिकी सैन्यकर्मियों पर यूक्रेन के साथ प्रत्यक्ष भागीदारी के आरोप पुतिन ने शनिवार को एक साक्षात्कार में कहा कि ट्रंप का ऐसा कदम हमारे संबंधों को बर्बाद कर देगा। इससे पहले बृहस्पतिवार को वल्दाई डिस्कशन क्लब में रूसी राष्ट्रपति ने कहा था कि यूक्रेनी सेना अमेरिकी सैन्यकर्मियों की प्रत्यक्ष भागीदारी के बिना इन मिसाइलों का संचालन नहीं कर सकेगी। क्रूज मिसाइलों की आपूर्ति युद्ध के मैदान में शक्ति संतुलन को नहीं बदलेगी रूस की ताकत का उल्लेख करते हुए पुतिन ने कहा, अमेरिकी टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों की आपूर्ति युद्ध के मैदान में शक्ति संतुलन को नहीं बदलेगी। यह भी कहा कि रूस की वायु रक्षा प्रणालियां पहले से इसी तरह के पश्चिमी हथियारों की आपूर्ति के अनुकूल हो चुकी हैं। जेलेंस्की ने विशेष रूप से मिसाइलों का अनुरोध किया था स्थानीय समाचार एजेंसी के अनुसार, टॉमहॉक मिसाइलों की डिलीवरी पर बहस पिछले महीने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की और ट्रंप के बीच हुई बैठक के बाद शुरू हुई थी। जेलेंस्की ने उस मुलाकात के दौरान विशेष रूप से मिसाइलों का अनुरोध किया था।

पाकिस्तान ने अमेरिका को खनिजों की पहली खेप भेजी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने पहली बार अमेरिका को दुर्लभ खनिजों की छोटी खेप भेजी है। ये खनिज पिछले महीने अमेरिकी कंपनी यूएस स्ट्रैटेजिक मेटल्स (यूएसएसएम) के साथ हुए 50 करोड़ डॉलर के सौदे के तहत भेजे गए। हालांकि इन्हें भेजने की टाइमिंग नहीं पता चल पाई है। इस सौदे का मकसद पाकिस्तान में खनिजों की खोज और प्रोसेसिंग के लिए कारखाने बनाना है। ये नमूने पाकिस्तानी सेना की ब्रांच फ्रंटियर वर्क्स ऑर्गेनाइजेशन की मदद से तैयार किए गए। यूएसएसएम ने इसे पाकिस्तान और अमेरिका के बीच दोस्ती का बड़ा कदम बताया। कंपनी का कहना है कि यह समझौता खनिजों की खोज से लेकर प्रोसेसिंग तक सब कुछ कवर करता है।

इमरान खान की पार्टी ने सौदे का विरोध किया : वहीं, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने इसका विरोध किया है। पीटीआई नेता शेख वक्कास अकरम ने कहा ऐसे सीक्रेट सौदे से देश के हालात खराब हो सकते हैं। क्क्षद्ध ने मांग की कि सरकार अमेरिका के साथ हुए सौदों का पूरा ब्योरा जनता को बताए। क्क्षद्ध के नेता ने कहा कि संसद और लोगों को विश्वास में लेना चाहिए। हम देश के हितों के खिलाफ कोई समझौता बर्दाश्त नहीं करेंगे।

यूएसएसएम डिफेंस से जुड़े खनिज रिसाइकल करती है : यूएसएसएम कंपनी का कहना है कि यह सौदा खनिजों की खोज से लेकर रिफाइनरी बनाने तक सब कुछ कवर करता है। मिसूरी की यह कंपनी ऐसे खनिज बनाती और रिसाइकल करती है जो रक्षा, तकनीक और ऊर्जा के लिए जरूरी हैं। खेप में एंटीमनी, कॉपर कंसन्ट्रेट और रेयर अर्थ एलिमेंट्स जैसे नियोडिमियम व प्रेजियोडिमियम शामिल हैं। इससे पहले सितंबर में पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ, सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मुलाकात की थी। इस दौरान मुनीर ने ट्रम्प को रेयल मिनरल्स से भरा ब्रीफकेस दिखाया था। पाकिस्तान का दावा है कि उसके पास 6 ट्रिलियन डॉलर की खनिज संपदा है। वो चाहता है कि अमेरिकी निवेशक यहां इन्वेस्ट करें। पाकिस्तान का अमेरिका को बलूचिस्तान में पोर्ट बनाने का प्रस्ताव पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर के सलाहकारों ने तीन दिन पहले ही अमेरिका से बलूचिस्तान में एक पोर्ट डेवलप करने का प्रस्ताव शेयर किया है। रॉयटर्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक, पाकिस्तान चाहता है कि अमेरिकी निवेशक बलूचिस्तान के पसनी शहर में अरब सागर के किनारे एक नया पोर्ट डेवलप करके चलाएं। प्रस्ताव में साफ कहा गया है कि यह बंदरगाह सिर्फ व्यापार और खनिजों के लिए है। अमेरिका को यहां सैन्य बेस बनाने की इजाजत नहीं होगी। पासनी, ग्वादर पोर्ट (चीन का बंदरगाह) से सिर्फ 112 किमी दूर है। यह बंदरगाह अमेरिका को पाकिस्तान के महत्वपूर्ण खनिजों जैसे तांबा और एंटीमनी तक आसान पहुंच देगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत भाजपा कार्यालय में हाथापाई

खजांची जरिवाला ने कहा-"मुझे सब देखना है, बखेड़ा मत मचाओ," और कार्यकर्ता ने थप्पड़ मार दिया

सूरत में भाजपा कार्यालय में दो कार्यकर्ताओं के बीच हाथापाई की घटना सामने आई है।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दोपहर के समय भाजपा कार्यकर्ता दिनेश सावल्या कार्यालय पहुंचे। चाय-नाश्ते को लेकर उनकी उनके साथी कार्यकर्ता से थोड़ी बहस हो गई। इस बात की जानकारी खजांची शैलेष जरिवाला को दी गई। अचानक शैलेष जरिवाला ने दिनेश सावल्या के साथ विवाद शुरू कर दिया, जिसके बाद दिनेश सावल्या ने शैलेष जरिवाला को सार्वजनिक तौर पर थप्पड़ मार दिया।

इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद शहर अध्यक्ष परेश पटेल ने बताया कि शैलेष जरिवाला और दिनेश सावल्या दोनों को नोटिस जारी किया गया है। उन्हें तीन दिन के भीतर लिखित जवाब देना होगा। यदि जांच में दोनों दोषी पाए गए, तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

झगड़ा

भाजपा कार्यालय की दूसरी मंजिल पर स्थित वेटिंग रूम में हुआ। शैलेष जरिवाला ने दिनेश सावल्या से कहा: "मैं खजांची हूं और मुझे सब देखना है, तो यहाँ ज्यादा बखेड़ा मत मचाओ।"

यह सुनते ही दिनेश सावल्या का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने अचानक थप्पड़ मार दिया। यह दृश्य वहां मौजूद अन्य कार्यकर्ताओं और पदधारियों ने देखा।

जानकारी के अनुसार, दिनेश सावल्या का पहले भी भाजपा कार्यालय में कई बार विवादित व्यवहार रहा है। पूर्व शहर अध्यक्ष **निरंजन झांझमेड़ा** को भी कार्यालय में दिनेश सावल्या के खिलाफ लगभग चार बार शिकायतें मिली थीं। इस घटना ने कार्यालय में मौजूद अन्य कार्यकर्ताओं को भी स्तब्ध कर दिया।

फॉरेक्स स्कैम में निवेश कर लाखों की ठगी

मास्टरमाइंड मित खोखर गिरफ्तार, 200 से लोगों को 20 से 50 लाख का निवेश कराकर ठगा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मलेशिया और क्यूबा से संचालित 1,550 करोड़ रुपए के साइबर फ्रॉड गैंग को बैंक खाते यानी बैंक किट उपलब्ध कराने वाला मुख्य आरोपी मित प्रवीन खोखर सिर्फ एक मोहरा नहीं था, बल्कि फॉरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर ठगी करने वाले दुबई स्थित गिरोह के लिए भी काम करता था। उधना पुलिस ने फॉरेक्स ट्रेडिंग से जुड़े धोखाधड़ी के मामले में उसकी गिरफ्तारी की है।

मित खोखर नकली फॉरेक्स ट्रेडिंग साइट्स के जरिए आम लोगों को फंसाकर उनसे भारी निवेश करवाता था। प्राथमिक जांच में खुलासा हुआ है कि उसने हर व्यक्ति से कम से कम 20 से 50 लाख रुपए तक निवेश करवाया था। अब तक लगभग 200 लोगों को इस ठगी का शिकार बनाया गया है। मित की यह गिरफ्तारी उधना पुलिस द्वारा पहले दर्ज मामले से संबंधित दूसरी कार्रवाई है।

साइबर फ्रॉड के मास्टरमाइंड किरत जादवाणी और दिव्येश चक्राणी के लिए मित खोखर एक छोटा मोहरा था, लेकिन उसने अपने आकाओं को भी नहीं छोड़ा। मित ने फॉरेक्स ट्रेडिंग में ऊंचे मुनाफे का लालच देकर किरत और दिव्येश से दो लाख डॉलर (करीब 1.70 करोड़ रुपए) का निवेश करवाया, लेकिन बाद में पूरा निवेश डुबो दिया। इससे यह स्पष्ट होता है कि मित का ठगी नेटवर्क कितना बड़ा था और वह अपने साथियों को भी ठगने से नहीं चूकता था।

उधना पुलिस ने मित खोखर को इस नए फॉरेक्स स्कैम में गिरफ्तार किया।

जांच में खुलासा हुआ कि मित सुरत से साइबर फ्रॉड गैंग को बैंक अकाउंट उपलब्ध कराने वाले नेटवर्क का हिस्सा था। इसके पहले चरण में मित प्रवीन खोखर (निवासी: व्रजरत्न रेजिडेंसी, सरथाणा) को पकड़ा गया।

उसके नेटवर्क के प्रमुख किरत विनोद जादवाणी (निवासी: गॉपीनाथ नगर, मोटा वराछा) और दिव्येश जितेंद्र चक्राणी (निवासी: लक्ष्मीनारायण सोसाइटी, ए.के. रोड, वराछा) थे। इन तीनों के माध्यम से 1,550 करोड़ रुपए के साइबर फ्रॉड रैकेट का खुलासा हुआ। यह गैंग क्यूबा के नंबरों का इस्तेमाल कर मलेशिया से "रिचपे" नाम की आईडी के जरिए नेटवर्क चलाती थी।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इस गैंग ने चीनी साइबर माफिया को 165 बैंक खाते उपलब्ध कराए थे।

लैपटॉप जांच में सामने आया नया फॉरेक्स घोटाला

उधना पुलिस इंस्पेक्टर एन.एस. देसाई द्वारा मित खोखर के लैपटॉप की जांच में एक नया फॉरेक्स घोटाला सामने आया। मित खोखर न केवल साइबर फ्रॉड गैंग के लिए काम कर रहा था, बल्कि दुबई से संचालित ब्लू बेल और सिक्योर एफएक्स नामक फर्जी फॉरेक्स साइट्स के लिए भी काम करता था।

इस गिरोह में वराछा स्थित नीलकमल शॉपिंग सेंटर में "ट्रेड वे एकेडमी" चलाने वाले विशाल सांकटसरिया (मामा) और वडोदरा-डभोई के अंकर पटेल का भी नाम सामने आया है। मित इन लोगों के लिए ग्राहकों को फंसाने और फॉरेक्स ट्रेडिंग में निवेश करवाने का काम करता था।

स्कूल वैन चालक ने लापरवाही से चलाई वैन

स्कूल वैन में विद्यार्थी ने ईको कार का साइड दरवाज़ा खोलकर आधा शरीर बाहर निकाला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के अमरौली इलाके में एक बेहद खतरनाक दृश्य कैमरे में कैद हुआ है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एक स्कूल वैन (ईको कार) में सवार एक छात्र वैन का साइड दरवाज़ा खोलकर आधा शरीर बाहर निकालकर सफर करता हुआ स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

यह घटना सूरत के अमरौली क्षेत्र की है। सड़क पर चल रही एक ईको कार (स्कूल वैन — GJ 16 CN 2675) में कई छात्र बैठे थे। इस दौरान, एक छात्र ने जैसे कोई करतब दिखा रहा हो, वैसे वैन का दरवाज़ा खोलकर आधा शरीर बाहर निकाल लिया और चलते वाहन में लटककर यात्रा करता रहा। यह दृश्य पीछे से आ रही एक कार में बैठे व्यक्ति ने कैमरे में कैद कर लिया। यह हरकत किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती थी।

वायरल वीडियो के आधार पर आशंका जताई जा रही है कि लटकने वाला छात्र अमरौली की K & M.P. सार्वजनिक विद्यालय का है। यह भी सामने आया है कि इस स्कूल वैन का रजिस्ट्रेशन भरूच पासिंग का है। इस तरह बच्चों को जोखिम में डालकर ले जाने से वैन चालक और स्कूल प्रबंधन की गंभीर लापरवाही सामने आई है।

वीडियो वायरल होने के बाद बच्चों की जान जोखिम में डालने जैसी इस लापरवाही पर लोगों में गहरा आक्रोश देखा जा रहा है। वैन चालक ने बेतरतीबी से वाहन चलाया और बच्चों की सुरक्षा को लेकर कोई चिंता नहीं की।

रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिस (RTO) और ट्रैफिक पुलिस अब इस वायरल वीडियो के आधार पर वैन चालक और वाहन मालिक के खिलाफ बच्चों की सुरक्षा के नियमों के उल्लंघन के लिए क्या कार्रवाई करती है, इस पर सबकी नज़रें टिकी हैं।

ऐसी घटनाओं से सबक लेकर अन्य स्कूल वैन चालकों को भी सावधान किया जाना आवश्यक है ताकि भविष्य में किसी बच्चे की जान खतरे में न पड़े।

खाड़ीपूर की समस्या के बाद प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

अवैध रूप से बनाए गए 125 झींगा फार्म हटाकर 10.89 लाख वर्ग मीटर जमीन मुक्त कराई गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में बरसात के मौसम के दौरान बार-बार आने वाली खाड़ीपूर की समस्या के स्थायी समाधान के लिए जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। पिछले दो से ढाई महीनों में सूरत सिंचाई विभाग और मामलतदार (राजस्व) विभाग ने संयुक्त अभियान चलाकर खाड़ी के आसपास के क्षेत्रों से अवैध झींगा तालाबों (श्रिंप फार्म) के बड़े पैमाने पर कब्जे हटाए हैं। इस कार्रवाई के तहत 10.89 लाख से अधिक वर्ग मीटर सरकारी भूमि को मुक्त कराया गया है।

बरसात के दौरान खाड़ी में पानी का स्तर बढ़ जाने से खाड़ी किनारे के कई इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई थी, जिससे लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। इस समस्या का स्थायी समाधान निकालने के लिए राज्य सरकार के निर्देश पर एक च्खाड़ीपूर समितिज्ञ भी बनाई गई है।

जांच में सामने आया कि इस समस्या की जड़ खाड़ी किनारे किए गए अवैध कब्जे और विशेष रूप से झींगा तालाब हैं। इस पर जिला कलेक्टर सौरभ पारगी ने सभी अवैध झींगा फार्म को तोड़ने के निर्देश जारी किए।

तीन गांवों में 125 झींगा तालाब हटाए गए

कलेक्टर के आदेश के बाद सूरत सिंचाई विभाग और मामलतदार कार्यालय ने कार्रवाई शुरू की। पिछले ढाई महीनों में मजूरा तालुका के तीन गांवों में बड़े पैमाने पर अभियान चलाकर कुल 125 झींगा तालाबों को हटाया गया।

खजोद गांव में 6,34,596 वर्ग मीटर, गभेणी गांव में 2,50,180 वर्ग मीटर और आभवा गांव में 2,05,160 वर्ग मीटर जमीन से अवैध कब्जे हटाए गए। कुल मिलाकर 10,89,936 वर्ग मीटर जमीन को मुक्त कराया गया है। इस कार्रवाई से खाड़ी के पानी के बहाव के लिए पर्याप्त जगह मिलेगी और आने वाले मानसून में खाड़ीपूर की समस्या में काफी कमी आने की उम्मीद है। प्रशासन ने कहा है कि इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

बैंकों में सेटिंग है, लोन क्लेम पास करवा दूंगा'

लोन क्लेम पास करवाने के नाम पर ठगी करने वाले आरोपी मनोज मिश्रा 2.74 करोड़ ठगी की गिरफ्तारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में बैंक लोन स्वीकृत करवाने और लोन पर क्लेम पास करवाने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। उधना पुलिस ने इस मामले के मुख्य आरोपी मनोज रामनिहार मिश्रा को गिरफ्तार किया है, जिसने शिकायतकर्ता और उसके परिजनों से कुल 2,74,24,700 की ठगी की थी।

यह ठगी एक लोन माफी के मामले से शुरू हुई थी। शिकायतकर्ता के चचेरे भाई के मकान पर लोन चल रहा था, और उनके निधन के बाद शिकायतकर्ता ने वह लोन माफ करवाने के लिए आरोपी मनोज मिश्रा से संपर्क किया।

मनोज ने भरोसा दिलाया कि वह लोन माफ करवा देगा और इसके एवज में शिकायतकर्ता से पैसे लिए। बाद में उसने कहा

> **"मेरी बैंकों में बड़ी सेटिंग है, अगर आपके परिवार या जानने वालों में किसी का लोन चल रहा हो, तो उसका क्लेम भी पास करवा दूंगा।"**

उसकी बातों पर विश्वास कर शिकायतकर्ता ने अपने रिश्तेदारों को भी मनोज से मिलवाया, जिनके नाम पर भी अलग-अलग बैंकों में लोन चल रहे थे।

लोन क्लेम पास करवाने का झांसा देकर आरोपी ने शिकायतकर्ता और उसके परिजनों से अलग-अलग किश्तों में कुल 2.74 करोड़ से अधिक की रकम ऐंठ ली। लेकिन उसने न तो किसी की लोन माफी करवाई और न ही किसी क्लेम को पास कराया।

जब लंबे समय तक कोई काम नहीं हुआ, तब पीड़ितों को एहसास हुआ कि उनके साथ ठगी हुई है और उन्होंने उधना पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस जांच में सामने आया कि मनोज मिश्रा लोन संबंधित कामकाज करवाने का बिज़नेस करता था और इसी बहाने लोगों को ठगता था।

आरोपी मनोज रामनिहार मिश्रा (49 वर्ष, निवासी डिंडोली, सूरत; मूल निवासी - भदोही, उत्तर प्रदेश) को उधना सर्विलांस टीम ने गिरफ्तार किया।

पुलिस को शक है कि उसने शिकायतकर्ता और उसके परिजनों के अलावा भी कई अन्य लोगों से इसी तरीके से ठगी की है।

उधना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और पूरे फर्जीवाड़े के नेटवर्क की जांच शुरू कर दी है।

मकान की तीसरी मंजिल पर गैस सिलेंडर लीक होने के बाद ब्लास्ट

आग बुझाने के दौरान हुआ धमाका, दो फायरकर्मी और एक स्थानीय व्यक्ति घायल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पुना इलाके की विक्रमनगर सोसाइटी में एक मकान की तीसरी मंजिल पर गैस सिलेंडर में लीकेज होने के बाद जोरदार विस्फोट हुआ। धमाके से कमरे की ऊपर और साइड की दीवारें टूटकर गिर गईं। घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं। आग बुझाने के दौरान सिलेंडर में अचानक ब्लास्ट हो गया, जिससे दो फायरकर्मी — वासुदेव पटेल और नीरज पटेल — तथा एक स्थानीय व्यक्ति घायल हो गए।

यह तीन मंजिला मकान मजदूरों को किराये पर देने के लिए बनाया गया है। जानकारी के अनुसार, सूरत के पुना इलाके में सतानगर चौकड़ी के पास विक्रमनगर सोसाइटी में यह मकान स्थित है, जिसकी तीसरी मंजिल पर लगभग 10×10 फीट के छोटे-छोटे कमरे बने हैं। इनमें एम्ब्रॉयडरी और हीरा उद्योग में काम करने वाले मजदूर रहते हैं। करीब छह कमरे मजदूरों से भरे हुए हैं, जो वहीं खाना भी बनाते हैं।

सुबह के समय मजदूर काम पर जाने की तैयारी कर रहे थे। खाना बनाने की शुरुआत से पहले ही गैस सिलेंडर लीक होने से आग लग गई। कमरे में मौजूद सभी मजदूर

कि सी त र ह बाहर निकल गए। इसके बाद फायर विभाग को सूचना दी गई कि गैस सिलेंडर लीक होने से आग लग गई है।

जानकारी मिलते ही पुना, कापोदरा और डुंभाल फायर स्टेशन की छह गाड़ियाँ मौके पर पहुंचीं। फायरकर्मी तीसरी मंजिल पर आग बुझाने पहुंचे, तभी सिलेंडर में अचानक विस्फोट हो गया। धमाके की चपेट में आने से दो फायरकर्मी घायल हो गए। ब्लास्ट से कमरे की छत के सीमेंट की चादरें और दीवारें टूटकर गिर गईं।

विस्फोट की वजह से पास में मौजूद एक मजदूर के हाथ में भी चोट आई। घायलों को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। वहीं, फायरकर्मियों ने सिलेंडर ब्लास्ट से लगी आग पर पानी डालकर काबू पाने का प्रयास जारी रखा।

इस विस्फोट से तीसरी मंजिल पर स्थित तीन से चार कमरों को नुकसान हुआ है। जिस कमरे में ब्लास्ट हुआ, उसके ऊपर की छत और आसपास की दीवारें पूरी तरह टूट गईं, और अंदर रखा सामान जलकर खाक हो गया।

घायल फायरकर्मी वासुदेव पटेल और नीरज पटेल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से एक फायरकर्मी को सिर में गंभीर चोट आई है। दोनों का फिलहाल इलाज चल रहा है।